कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | गुरुवार 20 जून 2024 | वर्ष-07 | अंक-1062 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

केंद्र सरकार ने कूचबिहार को लेकर उनसे किए अपने वादे पूरे नहीं किए- अनंत महाराज

कोलफील्ड मिरर 20 जून (कोलकाता): भाजपा के राज्यसभा सांसद अनंत महाराज एक बार फिर सुर्खियों में हैं. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अनंत महाराज के घर उनसे मिलने पहुंचीं. और अब उन्होंने एक बार फिर बीजेपी के बड़े नेताओं के खिलाफ तीखी टिप्पणी की है. अनंत महाराज पहले भी बीजेपी के खिलाफ बोलते रहे हैं. उन्होंने खुलकर असंतोष जाहिर किया है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उनसे किए अपने वादे पूरे नहीं किए हैं.

अनंत महाराज बीजेपी के राज्यसभा सांसद होने के साथ-साथ ग्रेटर कूचबिहार पीपुल्स एसोसिएशन के नेता भी हैं. उन्होंने इस बात पर खेद जताया है कि कूचबिहार को लेकर उनसे जो वादा किया गया था, उसे पूरा नहीं किया गया.

सांसद अनंत महाराज ने कहा कि बीजेपी सरकार द्वारा किए गए किसी भी वादे को लागू नहीं किया गया है. यहां जमीन पर उसका कोई प्रभाव नहीं दिख रहा है. कूचबिहार राज्य संविधान में था. यह सी श्रेणी का राज्य था. यह सी श्रेणी का राज्य आखिर लुप्त कैसे हो गया? हम यही जानना चाहते थे. अनंत महाराज ने दावा किया कि वे एक अलग राज्य चाहते थे लेकिन उस वक्त उन्हें यह आश्वासन दिया गया कि केंद्र शासित प्रदेश बेहतर रहेगा.

बीजेपी के राज्यसभा सांसद ने ये भी दावा किया कि एक पार्टी के रूप में तृणमूल कांग्रेस अलग-अलग राज्यों के खिलाफ हो सकती है, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ नहीं. उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर इसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाता तो यहां के लोगों का सर्वांगीण विकास होता. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि यहां के लोगों के विश्वास के साथ धोखा हुआ है. हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि यहां के लोग तब तक हार नहीं मानेंगे जब तक अलग राज्य नहीं बन जाता.

अनंत महाराज ने इससे पहले लोकसभा चुनाव में टिकट वितरण को लेकर भी असंतोष जाहिर किया था. अनंत महाराज लोकसभा चुनाव में कूचबिहार की सीट हारने का ठीकरा भी बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व पर फोड़ा था. लोकसभा चुनाव में बीजेपी के उम्मीदवार निसिथ प्रमाणिक कूचबिहार की सीट हार गए थे. टीएमसी सांसद जगदीश चंद्र ने उन्हें करीब 30 हजार से मतों से पराजित करके यहां कब्जा कर लिया था. चुनाव के बाद ये पहला वाकया था जब मंगलवार को मुख्यमंत्री और तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी कूचबिहार में अनंत महाराज के घर गईं.

ऐसा बताया जा रहा है कि जिन मांगों को लेकर अनंत महाराज ने बीजेपी से गठबंधन किया था, उनमें कूचबिहार को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने की भी मांग शामिल थी. लेकिन अब उनका कहना है कि उनकी मांग को नजरअंदाज किय गया है. अनंत महाराज ने ये भी कहा था कि लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन को लेकर उनसे कोई चर्चा नहीं की गई. उन्होंने कहा था निसिथ प्रमाणिक ही हार इसी वजह से हुई.

केंद्रीय विद्युत शहरी विकास मंत्री मनोहरलाल से मिले कोल इंडिया चेयरमैन

कोलफील्ड मिरर 20 जून (पांडवेश्वर): कोल इंडिया के चेयरमैन पी.एम. प्रसाद ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की और कोलइंडिया की ओर से शुभकामनाएं दीं, कोल इंडिया चेयरमैन पीएम प्रसाद ने माननीय मंत्री को आश्वासन दिया कि दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोलइंडिया देश में निर्बाध विद्युत उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कोयला आपूर्ति जारी रखेगी और विद्युत विभाग के साथ समन्वय बनाकर चलेगी.

पुलिस की सक्रियता से, 48 घंटा के बाद बच्ची को जहां से उठाकर ले गए थे, वहीं पर छोड़ गए

कोलफील्ड मिरर 20 जून (रानीगंज): 48 घंटा के बाद बच्ची सुमित्रा साव उसी जगह से मिली जहां से अपराधी उठा कर ले गए थे। बच्ची के परिवार के लोगों में काफी खुशी का माहौल देखा गया, जहां रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था. वही मां के आंखों में खुशी के आंसू देखने को मिला। बच्ची के पिता धर्मेंद्र साव आंख में आंसू लेकर कहा कि हमारी बच्ची मिल गई। बच्ची को अपहरणकारियों ने तिलक मैदान के कोने में उतार दिया, उसके बाद लोगों ने देखा, हमें जानकारी मिली, हम भी दौड़ते हुए गए, तब बच्ची दौड़कर आ रही थी, बच्ची को गोद में उठाकर उसकी मां के पास ले गए, मां रोते हुए गले से लगाकर कुछ देर तक रोती रही, उसके बाद परिवार के लोगों ने बताया कि अब क्या रोना बच्ची तो मिल गई।

बच्ची की मिलने की खबर थाने में पहुंचते ही घटना स्थल पर पुलिस पहुंची. आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नर रेट के डीसी अभिषेक गुप्ता, एसीपी सुबीर राय एवं थाना प्रभारी तथा पश्चिम बर्दवान जिला कांग्रेस के अध्यक्ष नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती भी घटनास्थल पर पहुंचे। नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती ने पुलिस को 100 नंबर दिया, कहा कि पुलिस की मेहनत काम आई, अपराधी बच्ची को लेकर भाग नहीं पाए, चारों तरफ से पुलिस ने जाल बिछा कर रखा था। बाध्य होकर अपहरण कारियों ने बच्ची को लौटाया, देखा कोई उपाय नहीं है, अब पकड़े जाएंगे.

पुलिस की तरफ से कहा गया कि जांच चल रहा है, अपराधी को पकड़ने के बाद ही घटना की पूरी सच्चाई मिलेगी. बच्ची उठाने का कारण क्या था, इसके पीछे किसका हाथ है, इसकी जानकारी करना कहीं तो परिवार के लोग शामिल तो नहीं थे, यह सब मामला घूम रहा है. अपराधी पकड़ने के बाद ही मामला सामने आएगा।

जानकारी के मुताबिक रविवार की रात को करीब 8:30 बजे तिलक मैदान में बच्ची अपनी बड़ी बहन एवं आसपास के बच्चों के साथ खेल रही थी. तभी बाइक पर एक युवक और एक युवती पहुंचे और उन लोगों से कहा कि तुम्हारी बहन को दो थोड़ा घुमा देते हैं. उन्होंने कहा नहीं हम घूम लेंगे, उसके बाद भी कहे कि दो ना अभी हम घुमा देते हैं फिर हम पहुंचा देंगे. उसके बाद बच्ची को गाड़ी पर बैठा लिया और बच्ची को ढक कर वहां से भाग निकले, इसके बाद परिवार के लोगों ने तुरंत दुर्गापुर थाना में शिकायत दर्ज करवाई.

पुलिस घटना के बाद से ही काफी सक्रीय थी। बच्ची का अपहरण मामला को लेकर पुलिस ने जाल बिछाया, अपहरणकारी बच्ची को बाहर नहीं ले जा सके. मजबूरन कल रात को जहां से अपहरण किया था. वहीं पर ले जाकर एक चार चक्का गाड़ी पर छोड़कर वहां से भाग निकले. आसपास के लोगों ने देखा बच्ची को रोते हुए, उसके बाद परिवार के लोगों को जानकारी दी. उसके बाद परिवार के लोग पहुंच कर बच्ची को गोद में उठाकर घर ले गए. इस घटना में परिवार के लोगों ने पुलिस को धन्यवाद दिया है. पुलिस जिस तरह से बच्ची को खोजने में जुट गई। अपहरणकारी बाध्य होकर बच्ची को लौट आया फिर भी पुलिस घटना की पूरी जांच पड़ताल कर रही है अपहरण कार्यों तक पहुंचाना चाह रही है मामला क्या है जानने के लिए।

कोल इंडिया वेलफेयर बोर्ड की बैठक 29 जून को डब्लूसीएल के नागपुर में

कोलफील्ड मिरर 20 जून (पांडवेश्वर): कोल इंडिया के वेलफेयर बोर्ड की 53वी बैठक कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी वेस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड मुख्यालय नागपुर में आगामी 29 जून को होगी, इस बैठक में केंद्रीय मजदूर संगठनों की ओर से अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के टिकेश्वर सिंह राठौर, एचएमएस की ओर से शंकर प्रसाद बेहरा, एटक से अशोक यादव, और सीटू से पीएस पांडेय शामिल होंगे. जबकि कोल इंडिया के कार्मिक निदेशक विनय रंजन के अलावा सभी अनुषंगी कंपनियों के कार्मिक निदेशक वेलफेयर बोर्ड की बैठक में शामिल होंगे, बैठक में विगत वर्ष बिलासपुर में हुई कल्याण बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय को क्रियाव्यन की समीक्षा के साथ कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों में कल्याण गतिविधियों को शुरू करने वर्ष 2024, 2025 में खेल कलेंडर समेत अन्य मुद्दों को लेकर 53वी कल्याण बोर्ड की बैठक में चर्चा होने की संभावना है, वही केंद्रीय मजदूर संगठनों ने भी इस बार कोल इंडिया कल्याण बोर्ड की बैठक में अहम मुद्दों को उठाने के लिए तैयारी में है.

संजय बेरा की जेल हिरासत में अस्वाभाविक मौत हाइकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट तलब की

कोलफील्ड मिरर 20 जून (कोलकाता): पश्चिम मेदिनीपुर जिले के डेबरा में भाजपा कार्यकर्ता संजय बेरा (42) की जेल हिरासत में अस्वाभाविक मौत के बाद परिजनों ने कलकत्ता हाइकोर्ट में घटना की सीबीआइ जांच की मांग करते हुए याचिका दायर की. बुधवार को सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाइकोर्ट की न्यायाधीश अमृता सिन्हा ने मामले में पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट तलब की है. साथ ही हाइकोर्ट ने पुलिस को पश्चिम मेदिनीपुर जिले के डेबरा थाना से लेकर जेल तक के सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करके रखने का आदेश दिया है. साथ ही हाइकोर्ट ने कहा है कि पुलिस द्वारा घटना को लेकर निचली अदालत में जो रिपोर्ट पेश की गयी है, उसे हाइकोर्ट में भी पेश करनी होगी.

इसके अलावा, न्यायाधीश ने संजय बेरा के शव का पोस्टमार्टम करने के लिए एक अनुभवी चिकित्सक के नेतृत्व में विशेष कमेटी गठित करने का निर्देश दिया ,है और पूरी पोस्टमार्टम प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करने के लिए कहा है. न्यायाधीश ने कहा है कि यह प्रक्रिया संपूर्ण होने के बाद शव को परिजनों को सौंप देना होगा. इसके साथ ही न्यायाधीश ने जिला पुलिस को आगामी बुधवार तक जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है.

मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि अदालत से जेल लौटते वक्त शाम 4.50 बजे के करीब संजय बेरा जेल के गेट के पास गिर गया था और उसे वहां से मेदिनीपुर अस्पताल ले जाया गया. राज्य सरकार के अधिवक्ता ने दावा किया कि संजय बेरा को पुलिस ने कभी भी अपनी हिरासत में नहीं लिया, उसे हमेशा जेल हिरासत में ही रखा गया. राज्य सरकार के वकील ने कहा कि हमने सभी सीसीटीवी फुटेज संभाल कर रखने का आदेश दिया है.

मृतक के परिजनों का दावा है कि गिरफ्तारी के समय संजय बेरा के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे. उन्होंने चार व पांच जून की डेबरा थाना के सीसीटीवी फुटेज को अदालत में पेश करने की मांग की है. हालांकि, मामले की सुनवाई के दौरान परिजनों की ओर से अधिवक्ता ने कहा कि वह फिलहाल मामले की जांच एसपी रैंक के किसी पदाधिकारी से कराना चाहते हैं. वह अभी किसी और एजेंसी से जांच कराने की मांग नहीं कर रहे.

फिटजी के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, जेईई एडवांस्ड में अखिल भारतीय रैंक में 4 स्थान के साथ शीर्ष पर

FIITJEE

कोलफील्ड मिरर 20 जून (कोलकाता): जहां जीतना एक आदत बन गई है, वहीं फिटजी को जेईई एडवांस्ड 2024 में अपने छात्रों की शानदार सफलता की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। भारत का प्रमुख कोचिंग संस्थान, फिटजी, जेईई एडवांस्ड 2024 में देश भर में अपने छात्रों के उल्लेखनीय प्रदर्शन का जश्न मना रहा है। परिणाम न केवल उनकी असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों को उजागर करते हैं, बल्कि उनके मूल्य प्रणाली, नैतिकता और अद्वितीय शिक्षण पद्धति द्वारा संचालित फिटजी के तनाव-मुक्त और समग्र दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को भी प्रमाणित करते हैं। छात्रों और शिक्षकों दोनों की कड़ी मेहनत ने लगातार उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं और यह लगातार 28वां वर्ष है जब संस्थान ने जेईई एडवांस्ड में सफलता हासिल की है।

फिटजी सभी सफल छात्रों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए बधाई देता है और उनके आईआईटी सफर और जीवन में अपार सफलता की कामना करता है। फिटजी के दो वर्षीय लाइव इंटरएक्टिव ऑनलाइन क्लासरूम प्रोग्राम (XI-XII) के छात्र वेद लाहोटी ने जेईई एडवांस्ड 2024 में 355/360 के स्कोर के साथ एआईआर 1 हासिल किया। फिटजी के चार वर्षीय क्लासरूम प्रोग्राम के छात्र आदित्य ने एआईआर 2 हासिल किया और जेईई एडवांस्ड 2024 में दिल्ली एनसीआर टॉपर भी हैं। उन्होंने जेईई एडवांस्ड 2024 में 346/360 स्कोर किया है।

राजदीप मिश्रा, जो फिटजी के दो वर्षीय लाइव इंटरएक्टिव ऑनलाइन क्लासरूम प्रोग्राम (XI-XII) के छात्र हैं, ने भी जेईई एडवांस्ड 2024 में एआईआर 6 हासिल की है। उन्होंने जेईई एडवांस्ड 2024 में 333/360 का स्कोर हासिल किया है। फिटजी के सुप्रीम फोर-ईयर इंटीग्रेटेड प्रोग्राम के छात्र के तेजेश्वर ने एआईआर 8 हासिल की, उन्हें जेईई एडवांस्ड 2024 में आंध्र प्रदेश स्टेट टॉपर घोषित किया गया। उन्होंने जेईई एडवांस्ड 2024 में 331/360 का स्कोर हासिल किया है।

यह पहली बार नहीं है कि फिटजी के छात्रों ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और प्रतिष्ठित जेईई एडवांस्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह फिटजी के समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो प्रत्येक छात्र की 100 प्रतिशत क्षमता को उजागर करने और उन्हें विभिन्न धाराओं में अपने करियर के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है, जिससे फिटजी भारत के सबसे भरोसेमंद संस्थान के रूप में स्थापित होता है।

अभिजीत मुखर्जी ने कांग्रेस में दोबारा शामिल होने की इच्छा जताई

कोलफील्ड मिरर 20 जून (कोलकाता): ममता बनर्जी की टीएमसी को बड़ा झटका लग सकता है. पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने कांग्रेस में दोबारा शामिल होने की इच्छा जताई है. 2021 में कांग्रेस का दामन छोड़कर टीएमसी में शामिल हुए अभिजीत मुखर्जी का कहना है कि उनकी कार्य संस्कृति कांग्रेस से बिल्कुल भी मेल नहीं खाती है. ऐसे में उन्होंने कांग्रेस में वापस करने का मन बनाया है.

अभिजीत ने कहा कि उन्होंने कहा कि वरिष्ठ आलाकमान (कांग्रेस के) से समय मांगा. उम्मीद है कि एक या दो दिन में उनसे मुलाकात हो जाएगी. उन्होंने कहा कि अगर आलाकमान मुझसे तुरंत पार्टी में शामिल होने के लिए कहेंगे तो मैं ऐसा करूंगा. अभिजीत ने कहा कि वह बिल्कुल स्वतंत्र हैं और अगर कांग्रेस उन्हें स्वीकार करती है तो वह पार्टी में योगदान देने के लिए तैयार हैं.

कांग्रेस छोड़कर टीएमसी में शामिल होने को लेकर उन्होंने कहा कि 2019 वो उन कारणों से चुनाव हार गया, जिनके बारे में वह जानते हैं और यह बात हाईकमान भी जानता है, लेकिन वह इसे खुलकर नहीं बता सकते. अभिजीत ने कहा कि ढाई साल तक कांग्रेस ने उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी उसे पूरी तरह से निभाया. हालांकि अभिजीत ने ये भी कहा कि उन्हें मुझे पर्याप्त कार्यभार नहीं दिया, चाहे कारण कुछ भी रहा हो.

आगे अभिजीत ने बताया कि धीरे-धीरे उन्हें एक विशेष व्यक्ति, एक विशेष समूह द्वारा हाशिए पर धकेल दिया गया. इस बीच ममता दीदी ने उन्हें वापस बुला लिया क्योंकि उन्होंने उनसे समय मांगा था. ऐसे में वह उनके भतीजे अभिषेक से मिले और उन्होंने उन्हें अपने साथ शामिल होने की पेशकश की. जिसके बाद वह टीएमसी में शामिल हो गए. हालांकि पार्टी में शामिल होने के बाद उन्हें ऐसा कोई असाइनमेंट उन्हें नहीं मिला.

अभिजीत मुखर्जी ने का कहना है कि टीएमसी की कार्य संस्कृति बिल्कुल भी कांग्रेस से मेल नहीं खाती थी. इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि वह नहीं चाहते थे कि कांग्रेस सीपीएम के साथ जाए. अगर टीएमसी कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करती तो उन्हें चुनाव में अकेले उतरना चाहिए ऐसे में भले ही कांग्रेस को सीटें कम मिलती लेकिन उसका वोट प्रतिशत बढ़ता.

उन्होंने कहा कि दिल्ली वापस आने के बाद कई वरिष्ठ नेताओं (कांग्रेस से) ने उनसे अप्रत्यक्ष रूप से पूछा कि वह शांत क्यों बैठे हैं. वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें सक्रिय रहने के लिए कहा. जिसके बाद उन्होंने आलाकमान से समय मांगा. अभिजीत ने उम्मीद जताई कि उन्हें एक दिनों में समय मिल जाएगा उसके बाद वो बात करेंगे. उन्होंने कहा कि अगर आलाकमान उन्हें फैरन पार्टी में शामिल होने के लिए कहेंगे तो वो ऐसा ही करेंगे. उन्होंने ये भी कहा कि अगर कांग्रेस उन्हें स्वीकार करती है तो वह कांग्रेस को योगदान देने के लिए तैयारी है.

कुल्टी मे भाजपा के छत्रछाया मे चल रहा अवैध कारोबार- समीर घोष

कोलफील्ड मिरर 20 जून (कुल्टी): पश्चिम बंगाल आसनसोल कुलटी विधानसभा इलाके मे संवादता सम्मलेन कर तृणमूल के जिला सेकेट्री समीर घोष ने भाजपा के ऊपर गंभीर आरोप लगाया है, उन्होंने अपने आरोपों मे कहा की कुलटी विधानसभा इलाके मे लोकसभा चुनाव मे भाजपा ने लिड किया है, यहीं नही वर्तमान मे कुलटी विधानसभा भी भाजपा के कब्जे मे है, जहाँ के भाजपा विधायक डॉक्टर अजय पोद्दार हैं, वह जिस वार्ड मे रहते हैं,

जिस इलाके मे रहते हैं, उनके देख रेख मे अवैध रूप से बालू, कोयला, लोहा, सट्टा, झारखंड का अवैध लॉटरी, ऑनलाइन लॉटरी, अवैध रूप से शराब का कारोबर काफी धड़ल्ले से हो रहा है, उन्हे ना तो कोई रोकने वाला है और ना ही उनको कोई टोकने वाला है, वह इस लिये की उनका केंद्र मे सरकार भी है, जिसके बल पर वह इस तरह के अवैध धंधे उनके सहयोग से चल रहे हैं, उन्होने कहा वह तृणमूल सुप्रीमो मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी के सैनिक हैं, वह इस तरह के अवैध धंधों के खिलाफ पहले भी आवाज उठाए थे और अब भी वह आवाज उठा रहे हैं और वह तबतक इन अवैध धंधों के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे, जबतक इन धंधों पर पूरी तरह लगाम लग नही जाता.

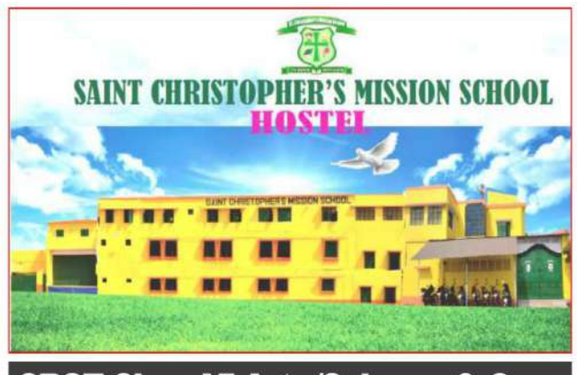

सरकारी जमीन पर जबरन दखल स्वीकार नहीं करूंगा- कवि दत्ता

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 20 जून (रानीगंज): सरकारी जमीन पर जबरन कब्ज़ा बर्दाश्त नहीं करूंगा. लेकिन सभी को इंसानियत से देखा जाएगा. जिस जमीन की कीमत 7-8 लाख रुपए कट्ठा है। उसे कोई दखल करें उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा, अड्डा के नए चेयरमैन की कुर्सी पर बैठते ही शहरवासियों को यह उनका पहला संदेश था मीडिया के माध्यम से.

दुर्गापुर व्यवसायी कवि दत्ता को आसनसोल दुर्गापुर विकास बोर्ड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्हें रानीगंज विधायक तापस बंदोपाध्याय के स्थान पर इस पद पर लाया गया है. बुधवार को उन्होंने दुर्गापुर कार्यालय में यह जिम्मेदारी संभाली.

इस दौरान उन्होंने एडीडीए की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर कड़ी चेतावनी दी, लेकिन इसे मानवता के नजरिये से देखने का वादा भी किया. उन्होंने कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस कुर्सी पर बैठूंगा या मेरा नाम उन लोगों की सूची में जोड़ा जाएगा जो इस पद पर हैं. मैं कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं हूं. लेकिन मुझे थोड़ा समय दो और साथ ही धैर्य भी रखना होगा. मैं इस शहर को विकसित करने का जरूर प्रयास करूंगा.

स्मार्ट सिटी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि स्मार्ट सिटी के बारे में सुना है मगर मेरे पास कोई स्पष्ट स्मार्ट सिटी को लेकर कोई जानकारी नहीं है। इसलिए इस पर हम अभी कुछ नहीं बोलेंगें।

2022 से कवि दत्त अड्डा के उपाध्यक्ष थे। जब नया अध्यक्ष कार्यभार संभाले तो उपाध्यक्ष का पद स्वाभाविक रूप से रिक्त हो गया। कवि दत्त की जगह आसनसोल के पूर्व विधायक उज्ज्वल चट्टोपाध्याय को अड्डा का उपाध्यक्ष बनाया गया।

एडीडीए के दुर्गापुर कार्यालय में बर्दवान-दुर्गापुर लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद कीर्ति आजाद मौजूद थे. उन्होंने कवि दत्ता और उज्ज्वल चट्टोपाध्याय को बधाई दी और कहा कि नये चेयरमैन, नये वाइस चेयरमैन, नये सांसद के साथ शहर विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा. इस विकास में मेरी तरफ से जो भी मदद की जरूरत होगी, मैं दिल से मदद का हाथ बढ़ाऊंगा।

मंत्री प्रदीप मजूमदार ने कवि दत्त को अध्यक्ष के रूप में नये पद पर बधाई दी एवं कहां मुझे आशा है कि कवि दत्त विकास की धारा को सफलतापूर्वक आगे बढ़ायेंगे।

दुर्गापुर महकमा शासक सौरभ चट्टोपाध्याय, नए अध्यक्ष को बधाई देने के लिए अड्डा कार्यालय पहुंचे, इसके अलावा भी पार्टी के कार्यकर्ता एवं अड्डा के कर्मचारियों ने फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया।

रानीगंज डकैती कांड का चौथा अपराधी गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 20 जून (रानीगंज): नगेंद्र यादव को आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस ने बिहार के छपरा जिले के मांझी थाना क्षेत्र के मोबारकपुर में उनकी बुआ के घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से डकैती के कुछ सोने के आभूषण भी बरामद हुए हैं।

सोमवार को आरोपी को आसनसोल जिला अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने उसकी हिरासत मांगी।

डकैती की घटना के बाद से ही पुलिस ने जांच तेज कर दी थी और अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनके अलावा, इनका सहयोग करने और विभिन्न जानकारी इकट्ठा करके इन अपराधियों को अपने घर में शरण देने वाले अंडाल के दक्षिण खंड के निवासी और फूल विक्रेता शशिकांत कुमार माली को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अभी भी इस डकैती की घटना में शामिल चार अन्य आरोपियों की तलाश में व्यापक रूप से जुटी हुई है। जानकारी मिली है कि नगेंद्र यादव पहले भी कई आपराधिक घटनाओं में शामिल रहा है।

आसनसोल जिला अस्पताल मे ऑटो और टोटो चालकों से 20 रुपए वसूलने का आरोप

कोलफील्ड मिरर 20 जून (आसनसोल): जिला अस्पताल मे फैयाज़ अहमद नाम के एक टोटो चालक ने अस्पताल के पार्किंग कर्मचारीयों के ऊपर गंभीर आरोप लगाया है, फैयाल ने अपने आरोपों मे यह कहा है की वह नौर्थ थाना अंतर्गत बाबू तालाब के एक मरीज को आसनसोल जिला अस्पताल मे इलाज के लिये अपने टोटो पर बैठाकर लाए थे, फैयाज़ की अगर माने तो मरीज के नाक से लगातार रक्त निकल रहा था, रक्त ज्यादा निकलने के कारण वह अपना सारा काम छोड़कर मरीज को अपात्कालीन अवस्था मे अस्पताल के एमरजेंसी विभाग मे ले जा रहे थे, तभी अस्पताल के मुख्य द्वार पर पार्किंग के कर्मचारीयों ने उन्हें रोक दिया और अस्पताल परिसर मे घुसने के लिए 20 रुपए इंट्री फीस माँगने लगे यह कहकर की अगर वह पैसे नही देंगे तो उनको अस्पताल मे प्रवेश नही करने दिया जाएगा, मरीज कितना भी गंभीर बीमार क्यों नही हो, वह मरीज को अस्पताल के बाहर उतार दे, मरीज कैसे चिकित्सक को दिखाने जाएगा वह उसकी व उसके परिजनों की जिम्मेवारी है,

ऐसे मे मरीज की स्थिति बिगड़ता देख टोटो चालक फैयाज़ ने पार्किंग कर्मचारी को 20 रुपए निकालकर दे दिया और मरीज को एमरजेंसी विभाग के सामने उतार दिया और चले गए,

अपने सोसल मिडिया पर आसनसोल जिला अस्पताल के पार्किंग कर्मचारीयों के ऐसे गलत वेवहार का परिचय देते हुए, जिस विडिओ को आसनसोल नगर निगम के पूर्व मेयर सह भाजपा नेता जीतेन्द्र तिवारी ने अपने ट्विटर के एक्स हेंडल से पोस्ट करते हुए घटना को काफी अमानवीय बताया है, साथ मे उन्होने यह भी कहा है की आसनसोल अब वह नही रहा जिसका हमने कभी सपना देखा था, वहीं इस मामले मे आसनसोल जिला अस्पताल के सुपर का कहना है की अस्पताल मे मरीजों को लाने और ले जाने के लिये कई एम्बुलेंस वाहन उपलब्ध है, उसके अलावा कुछ प्राइवेट कार भी आना -जाना करती हैं, वह भी अस्पताल परिसर मे इधर -उधर अपनी वाहनों को पार्क कर देते हैं, पर यहाँ सबसे बड़ा समस्या यह है की अस्पताल परिसर के अंदर वह भी मुख्य प्रवेश द्वार पर कई ऑटो और टोटो जहाँ -तहाँ पार्क कर देते हैं, ऐसे मे मरीजों के लेकर अस्पताल आने वाली वाहनों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है,

उन्होने यह भी कहा की अगर अस्पताल परिसर मे कोई भी ऑटो या फिर टोटो पेसेंट लेकर आता है और पेसेंट छोड़कर चला जाता है, तो उसके लिये अस्पताल प्रशासन को कोई समस्या नही, उनसे कोई पार्किंग के नाम पर 20 रुपए नही ले सकता, पर अगर वह अवैध रूप से या फिर जबरन अस्पताल के मुख्य द्वार पर इधर -उधर ऑटो या फिर टोटो पार्क करते हैं, या फिर पार्किंग कर्मचारी करवाते हैं, तो अस्पताल प्रशासन उनपर कार्रवाई करेगी,

ईसीएल की कानूनी टीम ने किया कुनुस्तोडिया क्षेत्र का दौरा

कोलफील्ड मिरर 20 जून (पांडवेश्वर): ईसीएल की कानूनी टीम की कुनुस्तोड़िया क्षेत्र का दौरा के क्रम में क्षेत्रीय सभागार में एक विशेष अभियान के तहत लीगल संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में पदस्थापित कार्मिक अधिकारियों को वैधिक प्रावधानों की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध करवाना तथा न्यायालयों में लंबित कंपनी मामलों के त्वरित निपटारा की प्रक्रिया संबंधी प्रशिक्षण देना था,

इस अवसर पर ईसीएल मुख्यालय कानूनी विभागाध्यक्ष गौतम सेनगुप्ता मुख्य अतिथि के साथ विधि विभाग से उप प्रबंधक आशुतोष मौर्य व उप प्रबंधक विधि स्नेह तिवारी भी उपस्थिति रही, कुनुस्तोड़िया क्षेत्र के कार्मिक प्रबंधक राजेश त्रिवेदी ने कानूनी टीम के सदस्य का स्वागत किया, क्षेत्र के सभी कार्मिक प्रबंधको की उपस्तिथि में कानूनी टीम के अधिकारियों ने सभी लंबित कानूनी कार्यों का निपटारा समेत न्यायलय के आदेश पर तत्वरित करवाई करने और कानूनी प्रक्रिया संबधित दिशा निर्देश दिया.

ईसीएल सोदपुर क्षेत्र में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 20 जून (पांडवेश्वर): स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सोदपुर क्षेत्र में लोगो में स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए एक नुकड्ड नाटक का आयोजन किया गया, इस अवसर पर क्षेत्र के महाप्रबंधक अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत सरकार और कोयला मंत्रालय का स्वच्छता पखवाड़ा को सिर्फ पन्द्रह दिनों का पखवाड़ा नही बल्कि हमलोगो को स्वच्छता को अपने जीवन का अंग बनाना चाहिए, ताकि स्वच्छता के हम समाज को भी स्वस्थ रख सके, महाप्रबंधक ने स्वच्छता को पूरे क्षेत्र ही नही बल्कि सभी के घरों में स्वच्छता के प्रति लोगो में जागरूक होने की जरूरत है तभी हम इस अभियान को सफल बना सकते है,

इस अवसर पर महाप्रबंधक समेत क्षेत्र के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे, मालूम हो की 16 जून से 30 जून तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है.

हर्षोल्लास के साथ मना ईद उल अजहा

कोलफील्ड मिरर 20 जून (पांडवेश्वर): मुस्लिम समुदाय का पर्व ईद उल अजहा सोमवार को पांडवेश्वर और आसपास के इलाकों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया,

इस अवसर पर मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगो ने नमाज अदा करने के साथ एक दूसरे को ईद की शुभकामना दिया, खुटाडीह मस्जिद पड़ा स्तिथ मस्जिद, डालुरबांध, मोहाल, सोनाबांदी, दायनो, पांडवेश्वर स्तिथ मस्जिदों में नमाजियों ने बकरीद का नमाज अदा करने के साथ मुल्क में अमन चैन के लिए दुआएं मांगी, थाना प्रशासन की ओर से भी मुस्लिम बहुल इलाकों और मस्जिदों के आसपास जवानों की तैनाती देखने को मिली.

फादर डे पर विशेष

कोलफील्ड मिरर 20 जून (रानीगंज): किशोर गुप्ता ने अपनी बेटी को बड़े मशक्कत के साथ पढ़ाई करवाई एवं अन्य क्षेत्रों में भी महारत हासिल करवाई। किशोर गुप्ता ने कहा कि मेरा सपना था कि मेरी बेटी एक दिन मेरे परिवार का नाम पूरे शहर में परचम लहराये एवं बेटी रीचा गुप्ता ने भी अपनी मेहनत के बल पर सफलता हासिल करके पहले और जिला में एलएलबी में टॉपर हुई उसके पश्चात जुडिशल परीक्षा में सफलता हासिल करके आज जुडिशल मजिस्ट्रेट के रूप में अपनी सेवा दे रही है।

कुल्टी क्षेत्र में जुआ सट्टा को लेकर भाजपा- तृणमूल में आरोप- प्रत्यारोप

कोलफील्ड मिरर 20 जून (नियामतपुर): कुल्टी थाना अन्तर्गत जुआ सट्टा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा किसी प्रकार का अंकुश नहीं लगाए जाने पर राज्य की सत्ता और विपक्ष के नेता का बयानबाजी सोशल मीडिया में खूब जोर वायरल हो रहा है।

तृणमूल के पूर्व कुल्टी ब्लॉक युवा अध्यक्ष शुभाशीस मुखर्जी द्वारा सोशल मीडिया में आरोप लगाया गया है कि तृणमूल कांग्रेस द्वारा पुलिस प्रशासन को बार-बार कुल्टी थाना अंचल में सट्टा बंद करने को लेकर आवेदन किया जा रहा है, परन्तु प्रशासन किसके दबाव में इन पर अकुंश नहीं लगा रही। इस पर चिंता जताई. वही उन्हने कहा की भाजपा विधायक डॉ अजय पोद्दार के घर के सामने भी खुले रूप से सट्टा चलाया जा रहा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता गण इसका विरोध नहीं कर रहे हैं, परंतु इन लोगों के साथ मधुर सम्बन्ध स्थापित करते दीख रहें हैं।

वही वर्तमान के तृणमूल युवा अधक्ष विमान दत्त ने कहा कि कुल्टी में भाजपा के सारे अवैध धंधे पनप रहे हैं, कुल्टी प्रशसन से अनुरोध है कि इस पर अकुंश लगाए। आगे उन्होंने कहा कि यह सब भाजपा की मानसिकता हैं, अब धंधाबाजो का समर्थन करने की कई घटना कुल्टी मे सामने आई है।

वही इस पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सह कुल्टी विधायक के पुत्र केशव पोद्दार ने कहा की कुल्टी क्षेत्र में तृणमूल कार्यलय मे कई जगह सट्टा चलाया जा रहा है। अगर पुलिस प्रशासन इस पर कार्रवाई नहीं करती है तो भाजपा रास्ते में उतरेगी और उन ठिकानों पर भी पहुंच बंद करवाएगी।

जानकर बताते हैं कि कुल्टी थाने क्षेत्र में बराकर, नियामतपुर बाजार, कुल्टी रेल पार, रानीतल्ला, चिनाकुड़ी, सीतारामपुर स्टेशन, डीसरगढ़, बेजडीह इलाको मे सट्टा बेखोफ चल रहा है। ये सभी एजेंट धनबाद के भूली मोड़ के एक सट्टा माफिया को बुकिंग देता है, जिसमे इन एजेंटो बुकिंग से लेकर प्राइज पर मोटी कमीसन मिल रहा हैं। यह खेल प्रत्येक आधे घंटे मे खेला जाता हैं। इसे खेलने वाले ज्यादातर दिहाड़ी मजदूरी करने वाले और मिडिल क्लास के लोग हैं।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

महेंद्र शर्मा को आनंदलोक के संस्थापक देव कुमार सराफ ने दायित्व सौपा

कोलफील्ड मिरर 20 जून (रानीगंज): आनंदलोक अस्पताल को नए आयाम से सुसर्जित करने के लिए आसनसोल के उद्योगपति महेंद्र शर्मा को विधिवत आनंदलोक के संस्थापक देव कुमार सराफ ने दायित्व सौपा। इस मौके पर उद्योगपति सुशील अग्रवाल ने एक एंबुलेंस आनंदलोक को प्रदान किया।

महेंद्र शर्मा ने कहा कि बाईपास ऑपरेशन के समुचित उपकरण बेहतर क्वालिटी के बाहर से मंगाए गए हैं, आनंद लोक अस्पताल एम्स के तर्ज पर मरीजों का इलाज करेगा. रानीगंज आनंद लोक एक ऐसा अस्पताल बन जाएगा. एक दिन जब दूसरे राज्यों में इलाज के लिए लोगों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

इस मौके पर समाजसेवी सुशील अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया। उनके साथ समाजसेवी प्रदीप सराफ, विष्णु सराफ, विमल सराफ भी उपस्थित थे।

उद्योगपति महेंद्र शर्मा ने कहा कि आनंद लोक अस्पताल एक सेवा मूलक संस्था है। कम से कम खर्चे में अच्छी सेवा प्रदान करती रही है लेकिन कुछ कारण असुविधाएं अवश्य हुई है। लेकिन हम लोगों का प्रयास है कि इस अस्पताल को एक मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में तैयार करें। इसके लिए सभी तरह का चिकित्सा के लिए यहां व्यवस्था की जा रही है ।जिसमें हृदय रोग ऑपरेशन से लेकर हर तरह की सर्जरी चिकित्सा की व्यवस्था की जा रही है।

आनंदलोक के संस्थापक देव कुमार सराफ ने कहा कि हमने अपने प्रयास से इस अस्पताल को अब तक चलाया है। हमें उम्मीद है की वर्तमान समय में जब चिकित्सा व्यवस्था में काफी भ्रष्टाचार है। एस समय में इस अस्पताल को एक नई दिशा मिलेगी।

इस अवसर पर डॉक्टर सुधीर पेन रिलीफ क्लिनिक न्यूरो एंड ज्वाइंट केयर के दो तनुश्री घोष राय उपस्थित थे।

आज का राशिफल

मेष

दिन सामान्य रहेगा. अपने उग्र स्वभाव और जिद पर काबू रखे. परिश्रम का फल नहीं मिलने से आप निराश हो सकते हैं. स्वास्थ्य खराब होने की आशंका है. बगैर सोचे कुछ ना करें.

वृषभ

दिन बढ़िया रहेगा. आप में आत्मविश्वास भरपूर रहेगा. हर काम बहुत आसानी से पूरे हो सकेंगे. सरकारी कामकाज में सफलता प्राप्त करेगे. पैसे खर्च होंगे. टैलेंट का प्रदर्शन कर सकेंगे.

मिथुन

दिन ताजगी भरा रहेगा. भाग्य का साथ मिलेगा. कार्यस्थल पर आपके सभी काम आसानी से पूरे कर सकेंगे. नए काम शुरू कर सकेंगे. सम्बंधियों और पड़ोसियों के साथ सम्बंध अच्छे रहेंगे.

कर्क

दिन मुश्किल भरा रहेगा. किसी बात को लेकर भयभीत रहेंगे. परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद या मनमुटाव होने की आशंका है. वाणी पर नियंत्रण रखें. काम में बाधा आ सकती है.

सिंह

दिन अच्छा रहेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. मान-सम्मान में बढेगा. व्यवहार और वाणी पर नियंत्रण रखे. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. दांपत्यजीवन में मधुरता आएगी. कामकाज पूरे होंगे.

कन्या

दिन मिलाजुला रहेगा. शारीरिक तथा मानसिक रुप से परेशान रहेगे. वाद-विवाद हो सकता है. अचानक गलत जगह धन खर्च हो सकता है. वैवाहिक जीवन में मतभेद होने की आशंका रहेगी.

तुला

दिन बढ़िया रहेगा. जीवन की वास्तविकता को समझ सकेंगे. घर में खुशी का वातावरण रहेगा. जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे. व्यापार में अवसर मिलेंगे. आय में वृद्धि हो सकेगी.

वृश्चिक

दिन ठीक नहीं रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. काम में उत्साह कम रहेगा. संतान संबंधी समस्या परेशान करेगी. कार्यक्षेत्र में समस्या का सामना करना पड़ेगा. विरोधियों से मतभेद बढेगा.

धनु

दिन सामान्य रहेगा. नकारात्मक विचारों से दूर रहें. कठिन परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए शांत स्वभाव से काम लेना पड़ेगा. प्रवास का योग है. पैसे खर्च होंगे. आर्थिक लाभ होगा.

मकर

दिन सामान्य रहेगा. नकारात्मक विचारों से दूर रहें. कठिन परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए शांत स्वभाव से काम लेना पड़ेगा. प्रवास का योग है. पैसे खर्च होंगे. आर्थिक लाभ होगा.

कुंभ

दिन उत्तम रहेगा. आनंद- उत्साह से भरपूर रहेंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. काम में सफलता मिलेगी. समाज में सम्मान प्राप्त करेंगे. समय पर काम पूरा कर पाने की स्थिति में रहेंगे.

मीन

दिन अच्छा रहेगा. दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के कारण काम में सफलता मिलेगी. परिवार में सुख- शांति बनी रहेगी. सम्मान प्राप्त होगा. विरोधियों पर विजय प्राप्त करेगे. प्रसन्नता रहेगी.

धनबाद उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई कारा सुरक्षा समिति की बैठक

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): 19 जून को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में कारा सुरक्षा समिति की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कारा सुरक्षा, कारा में कैदियों-बंदियों हेतु मूलभूत सुविधाएं, कैदियों-बंदियों के परिजनों से मुलाकाती, कैदियों की संख्या, सुरक्षा बलों की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाएं, सीसीटीवी कैमरा, बिजली, पानी, समुचित प्रकाश की व्यवस्था, वाच टावर, जैमर, टेलीफोन बूथ, वाकी टॉकी की कार्यशीलता, सायरन सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर समीक्षा किया गया। इस दौरान उन्होंने कारा के सुरक्षा सहित भोजन, पानी, शौचालय एवं साफ-सफाई के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली एवं निर्देश देते हुए कहा कि कारा में कैदियों-बंदियों को जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों-बंदियों को स्वच्छ, ताजा एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं, इसमें किसी प्रकार की कोताही ना बरतें।

उपायुक्त द्वारा मंडल कारा में लगाए गए सीसीटीवी कैमरा की जानकारी लेते हुए सीसीटीवी कैमरा को सदैव क्रियाशील रखने का निर्देश दिया गया। उन्होंने संबंधित सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया कि कारा सुरक्षा को लेकर पदाधिकारी पूरी तरह से सजग रहें। साथ ही उन्होंने कहा कि जेल के चारो ओर आबादी है इस दृष्टि से सुरक्षा को लेकर पेट्रोलिंग एवं पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती समेत अन्य दिशा निर्देश दिया गया।

जेल मैनुअल का पालन सुनिश्चित कराने हेतु समय समय पर औचक निरीक्षण करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी पदाधिकारी एवं कर्मी अपने कार्य मे कोताही बरतेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

मौके पर उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सिटी अजित कुमार, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, विशेष शाखा के पदाधिकारी, जेल के पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, डीएसपी मुख्यालय-1, कार्यपालक दंडाधिकारी रविन्द्र ठाकुर समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने किया राज्य बैठक का ऐलान

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा द्वारा 23 जून 2024 को एक मांग वेतनमान को लेकर राज्य बैठक मोराबादी रांची में किया जाना है। उक्त बैठक की जानकारी मोर्चा के राज्य सदस्य सुशील कुमार पांडे ने दी उन्होंने कहा वर्तमान हेमंत सरकार चुनाव से पूर्व अपनी संकल्प पत्र में लिखा है कि जे एम एम और

महागठबंधन की सरकार राज्य में आते ही तीन माह के अंदर झारखंड राज्य के सहायक अध्यापकों को वेतनमान दिया जाएगा। परंतु वर्तमान सरकार अब शेष कार्यकाल केवल चार महीनो की बची है परंतु अपने संकल्प पत्र मे लिखे और वेतनमान के वायदे को अब तक पूरा नहीं किया गया जिससे राज्य के 62,000 सहायक अध्यापकों में भारी आक्रोश व्याप्त है श्री पांडे ने कहा निश्चित रूप से राज्य बैठक कर झारखंड में तमाम जिलों के अगुवा साथियों, मोर्चा के सभी सदस्यों द्वारा सामूहिक निर्णय लेकर आगे की रणनीति पर विचार विमर्श किया जाएगा यदि वर्तमान सरकार सहायक अध्यापकों को वेतनमान देकर अपना वादा पूरा नहीं करती है तो निश्चित रूप से रघुवर दास पूर्व सरकार की भांति वर्तमान सरकार का भी चुनावी समीकरण बदलने के लिए राज्य के 62 हज़ार सहायक अध्यापक परिवार सक्षम है।

इंडिया ब्लॉक की कल्पना सोरेन से विधानसभा चुनाव में बड़ी उम्मीदें, कितना खरा उतरेंगी 'छोटी बहू

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): लोकसभा चुनाव बीतते ही झारखंड में विधानसभा इलेक्शन का रण सजने लगा है और सभी दलों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है. प्रदेश में सत्ताधारी इंडिया ब्लॉक को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन से काफी उम्मीदे हैं. हेमंत के जेल जाने पर कल्पना ने ही लोकसभा चुनाव की जिम्मेदारी उठाई थी और एनडीए को कड़ी टक्कर दी. लोकसभा चुनाव के अच्छे नतीजे से जेएमएम उत्साहित हैं.

कल्पना सोरेन इसे एक पड़ाव मान रही हैं. उनका कहना है कि असली परीक्षा को विधानसभा चुनाव है. कल्पना सोरेन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि समय बहुत कम है और काम बहुत ज्यादा, इसलिए सभी कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव में जुट जाएं, कल्पना के भविष्य को लेकर बयानबाजी भी खूब हो रही है. बीजेपी का कहना है कि लोकसभा चुनाव के दौरान कल्पना सोरेन पहली बार लोगों के बीच आईं थीं तो जनता उनकी बातों में आ गई, लेकिन अब लोग चीजें समझ गए हैं. बीजेपी प्रवक्ता प्रतुल शहदेव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने 50 से ज्यादा विधानसभा सीटें जीती हैं, जबकि महागठबंधन ने 28 से 29 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की है. उन्होंने कहा कि इससे साफ होता है कि विधानसभा चुनाव में क्या परिणाम होने जा रहा है।

कुजामा ओसीपी मे ब्लास्टींग से कई घर क्षतिग्रस्त, मोहरीबांध में स्थिती तनावपूर्ण

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): झरिया। कुजामा ओसीपी मे ब्लास्टींग से उड़े पत्थर से कई घर क्षतिग्रस्त होने के बाद मोहरीबांध में स्थिती तनावपूर्ण है। तिसरा थाना परिसर में सिंदरी डी एस पी भूपेंद्र कुमार रावत द्वारा प्रेस वार्ता कर जानकारी दी गई। उन्होंने बताया की वरिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एस एन एम एम सी एच अस्पताल मे इलाज रत जगदीश भुइयां उर्फ जागो भुईयां के फर्द बयान पर दर्ज मामले में त्तवरित अनुसंधान व गिरफ्तारी हेतु सिंदरी डीएसपी के नेत्रीत्व मे एक विशेस अनुसंधान दल (sit) का गठन किया गया, उक्त टिम द्वारा कांड मे त्वरित अनुसंधान करते हुए कांड मे संलिप्त 2 अपराध कर्मीयों मनीश कुमार २४ वर्ष तथा शिवनंदन यादव २२ वर्ष पिता चुन्नी यादव को हिरा पुर धनबाद को गिरफ्तार किया गया बाकी अभियुक्त की तलाश की जारही है। प्रेष वार्ता मे तिसरा थानेदार सुमन कुमार, घनुवाडीह ओ पी प्रभारी पवन कुमार मौजूद थे। आज दोनो अभियुक्त को भेजा जेल। घनुडीह ओ पी अंतर्गत मोहरीबांध स्थित कुजामा ओसीपी मे हैवी बलास्टिंग से उड़े पत्थर आस पास के आधे दर्जन के लगभग लोंगों के घरों पर बलास्टिंग के पत्थर गिरने से कई लोग घायल हुए थें। स्थानीय प्रदर्शनकारियों पर आउटसोर्सिंग के संचालक कुंभनाथ सिंह के इसारे पर लाठीचार्ज की गई। इससे प्रदर्शन कारी उग्र हो गए। उग्र होतें देख संचालक के गुर्गे द्वारा छः राउंड गोली चलाई गई, जिसमें जागों भुइयां को गोली लगी हैं जिसे लोगों ने घायल अवस्था में धनबाद एस एन एम एम सी एच में भरती कराई गई हैं। इस संबंध में तिसरा थाना में मारपीट और छः राउण्ड गोली थीं। इस संबंध में एफ आई आर दर्ज कराई गई थीं। कांड संख्या 46/24,17,06, 24 धारा 341, 323, 325, 307/ 504/ 506/ 34 भादवी, 27 आर्म्स एक्ट, 3(1) ® (s) एससी/एस टी/ के तहत एटी देव प्रभा के संचालक कुंभनाथ सिंह, व बोर्डिंगार्ड एवं अन्य 15 लोगो पर मामला दर्ज की गई हैं। घनुडीह तिसरा पुलिस द्वारा धर पकड़ के लिए रात्री में छापामारी की गई। झरिया विधायक पूर्णिमा सिंह अपने समरथकों के साथ धरने पर बैठ गई थीं। पूर्णिमा नीरज सिंह द्वारा एफ आई आर दर्ज में नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार करने की मांग की गई थीं। कुजामा व मोहरीबांध के सैकडो लोग विस्थापन का दंस आज भी झेल रहें हैं।

झरिया में चल रहे जलापूर्ति योजना की समीक्षा बैठक

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): झरिया में चल रहे जलापूर्ति योजना की समीक्षा बैठक विशेष आमंत्रित सदस्य सचेतक सह झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह के उपस्थिति में प्रबंध निदेशक झमाड़ा रविराज शर्मा के कार्यालय कक्ष में आहूत की गई।

इस बैठक में केटीपीएल जेएमसी के जलापूर्ति तथा पाइपलाइन बिछाने के कार्य को तय समय में पूरा करने, मोटर पंप का क्रय, वीटीपी तथा मैकेनिकल कार्यों की प्रगति के संबंध में प्रबंध निदेशक रविराज शर्मा ने एजेंसी से समीक्षा किया।

झरिया विधायक ने क्षेत्र में पाइपलाइन कार्य, मोटर पंप क्रय करने, इंटेक वेल का निर्माण को जल्द पूरा करने के लिय एजेंसी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया। साथ ही माडा के जल कनेक्सन में निहित भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने हेतु विधायक ने प्रबंध निदेशक को सख्त कदम उठाने की बात कही। कैंप का आयोजन कर जल उपभोक्ताओं से बिल में निहित विसंगति को दूर करते हुए बकाया राशि पर सरचार्ज और ब्याज माफ कर उपभोगताओं को राहत देने हेतु बात कही।

झमाडा प्रबंध निदेशक ने केटीपीएल जेएमसी के प्रतिनिधि को पाइपलाइन बिछाने का कार्य, रेस्टोरेशन, सम्प निर्माण, मोटर क्रय सहित अन्य लंबित कार्य जल्द सुनिश्चित करने को निर्देश दिया तथा बैठक में उपस्थित झमाड़ा सचिव प्रकाश कुमार को जल दर भुगतान हेतु कैंप का शीघ्र आयोजन का निर्देश दिया।

बैठक में विधायक प्रतिनिधि के डी पांडेय, सूरज सिंह, झमाड़ा के टिएम अनूप कुमार सामंता, सचिव प्रकाश कुमार, सहायक अभियंता कौशलेश यादव, कनीय अभियंता गण, केपीटीएल जेएमसी के प्रतिनिधि सीएच रमेश, प्रोजेट मैनेजर विश्वनाथ चक्रवर्ती, पीएमसी प्रतिनिधि एल डी त्रिपाठी सहित विभाग के अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

वेतन की मांग को ले लेबर कमिश्नर के समक्ष शराब दुकान कर्मियों ने लगाई गुहार

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): धनबाद में सरकारी शराब की दुकान पर काम करने वाले कर्मियों ने मैन पावर सप्लाई करने वाली पुरानी कम्पनी पर 4 माह का वेतन नही देने एवं वर्तमान कम्पनी पर 3 माह से भुगतान नही देने का आरोप लगाते हुए सहायक श्रमायुक्त के समक्ष बकाया वेतन भुगतान की गुहार लगाई है। वहीं कर्मियों की मांग पर सहायक श्रमायुक्त ने दोनों कंपनियों को नोटिस जारी कर मजदूरों के बकाया वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है। साथ ही मुख्य नियोक्ता उत्पाद विभाग की सिक्युरिटी मनी से कर्मियों के वेतन भुगतान के लिए पत्र लिखा है। वेतन भुगतान नहीं होने की स्थिति में कर्मियों ने जिला मुख्यालय पर आकर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं पूरे मामले में जानकारी देते हुए सहायक श्रम आयुक्त रणजीत कुमार ने बताया कि कंपनी को दो बार नोटिस दिया जा चुका है बावजूद उन्होंने पेमेंट नहीं किया है बुधवार 19 जून को पुन: कंपनी के प्रतिनिधियों को बुलाया गया था लेकिन वह नहीं पहुंचे अब उत्पाद विभाग को नोटिस जारी किया जाएगा और कंपनी द्वारा जमा की गई सिक्योरिटी मनी से मजदूरों के वेतन भुगतान के लिए कहा जाएगा। साथ ही वर्तमान मैन पावर सप्लाई करने वाली को भी न्यूनतम मजदूरी नही देने को लेकर नोटिस दिया जाएगा।

एनएसयूआई ने जलाया केंद्र सरकार का पुतला

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): बुधवार को एनएसयूआई धनबाद के द्वारा केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। जिस प्रकार नीट की परीक्षा में व्यापक धांधली के संकेत देखने को मिल रहे हैं तथा सुप्रीम कोर्ट ने भी माना की ग्रेस मार्क्स देने और पूरी प्रक्रिया में कुछ ना कुछ संदेह की स्थिति है। देश भर के तमाम सेंट्रो पर अनेक अभ्यर्थी को गिरफ्तार भी किया गया है।एनएसयूआई मांग करती है की पूरी प्रक्रिया की सीबीआई जांच हो तथा दोषियों पर शख्स कार्रवाई की जाए, तथा ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमीशन बनाकर पूरी प्रक्रिया की जांच की जाए क्योंकि यह देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है, जिस प्रकार से ग्रेस मार्क्स देकर कुछ सेंट्रो पर छात्रों को लाभ पहुंचाया गया तथा अनेक छात्रों को गिरफ्तार किया गया है जिनके पास परीक्षा से पूर्व ही परीक्षा की प्रश्न पत्र मिल गए थे। इन सभी मामलों को लेकर एन एस यू आई ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। मौके एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी, जिला उपाध्यक्ष रवि पासवान, धनबाद नगर अध्यक्ष सनी सिंह, पीके भाई कॉलेज अध्यक्ष राज रंजन सिंह, गुरु नानक कॉलेज उपाध्यक्ष अनिकेत कुमार, विश्वविद्यालय महासचिव मोहित कुमार, अमन पासवान, सोहेल अली, आयुष सिंह, रौशन कुमार, ध्रुव कुमार, आयुष कुमार, नवनीत कुमार, मयंक कुमार, शुभम सिंह, हिमांशु पांडे मौजूद थे।

बरवड्डा सड़क दुर्घटना में डालसा ने लिया संज्ञान

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): मंगलवार की देर रात 1:00 बजे सड़क दुर्घटना में बरवाड़ा में मारे गए लोगों के परिजनों को मुआवजा दिलाने और इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने का निर्देश बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के सचिव सह अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने बरवड्डा थानेदार व डीटीओ धनबाद को दिया है। न्यायाधीश के निर्देश पर पारालिगल वालंटियर अनामिका सिंह बुधवार को एसएनएमसीएच पहुंची और मृतक के परिजनों को सरकार द्वारा दिए जाने वाले सभी सुविधाओं की जानकारी दी। न्यायाधीश ने बरवड्डा थानेदारव डीटीओ को

निर्देश दिया है कि मोटरयान दुर्घटना दावा अधिनियम के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि से संबंधित सभी कार्रवाई अविलंब पूरी कर ट्रिब्यूनल को भेजा जाए ताकि परिजनों को जल्द से जल्द मुआवजा राशि का भुगतान कराया जा सके। घटना के विषय में बताया जाता है कि मंगलवार की देर रात तकरीबन 11:30 बजे रांगाटांड़ के चूड़ी कारोबारी राहुल गुप्ता अपनी दुकान बंद कर अपने चार स्टाफ के साथ बरवाड़ा किसान चौक की ओर जा रहे थे इस बीच उनकी टक्कर एक ट्रक से हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए साथ ही कार में सवार राहुल गुप्ता, संकेत कुमार वर्मा, विशाल पासवान, आनंद कुमार की मौत मौके पर ही हो गई जबकि एक अन्य अमन कुमार गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका इलाज शहर के अशर्फी अस्पताल में चल रहा है।

उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में कई गई शिक्षा विभाग की समीक्षा

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): 19 जून को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में की गई।

बैठक के दौरान छात्र-छात्राओं के आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र बनाने, दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने, जन्म प्रमाण पत्र बनाने, मिड डे मील की समीक्षा, जर्जर भवनों की स्थिति की समीक्षा, जिला स्थापना समिति की समीक्षा, स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण के पश्चात रिक्त अनुसार स्थापना की समीक्षा, साइकिल वितरण की समीक्षा, किशोरी समृद्धि योजना एवं सावित्रीबाई फुले योजना की समीक्षा, खाद्यान्न उठाव, कुकिंग कोस्ट मद के आय व्यय के विवरण, अतिरिक्त पोषाहार (फल, अंडा) के आय व्यय का विवरण, ऑनलाइन एमआईएस पोर्टल की समीक्षा, रसोईयो का वृद्धा पेंशन एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण करने की समीक्षा समेत बचे हुए विद्यालयों के बाउंड्री वॉल निर्माण, स्कूलों में लगातार हेल्थ चेकअप करने, अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु विभिन्न प्रकार के समीक्षा की गई।

बैठक में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने कहा कि जिले में बच्चों के शिक्षा से लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ बेहतर गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक आहार (मिड डे मील) देना हमारी प्राथमिकता है, इन चीजों पर किसी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिन प्रखंडों में बच्चों के आधार इनरोलमेंट, जाति प्रमाण पत्र निर्माण, दिव्यांग प्रमाण पत्र आदि निर्माण कार्य में पीछे है वैसे प्रखंडों में कैंप लगाकर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जल्द से जल्द प्रमाण पत्र निर्गत करवाने का कार्य करेंगे। इस कार्य में समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर बच्चों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि जिन भी विद्यालयों में बाउंड्री वॉल नहीं है वैसे विद्यालयों को चिन्हित कर जल्द से जल्द बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही जिन भी रसोइयों का वृद्धा पेंशन या आयुष्मान कार्ड का निर्माण नहीं हुआ है वैसे सभी लाभुकों को जल्द से जल्द योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। स्कूलों में समय-समय पर हेल्थ चेकअप का आयोजन कर बच्चों के स्वास्थ्य का जांच अवश्य करवाएं। सभी शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचे एवं बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करें। किसी भी कार्य में लापरवाही बरतने पर संबंधित कर्मी एवं पदाधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों के शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज हो इसके लिए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को क्षेत्र भ्रमण करने का निदेश दिया गया।

उन्होंने आवासीय विद्यालय एवं बालिका विद्यालयों के सुरक्षा की समीक्षा करते हुए कहा कि बच्चियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समय-समय पर जिला से वरीय पदाधिकारी विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे की आवासीय विद्यालय एवं बालिका विद्यालय में नियम एवं शर्तों का पालन हो।

बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी सुश्री निशु कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुजूर, एडीपीओ विजय कुमार समेत सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी समेत कई अन्य मौजूद थे।

महान शिक्षाविद एवं गणितज्ञ स्व. चंडी सर की 25वीं पुण्यतिथि मनायी गयी

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): पुटकी, बुधवार को डैफोडिल्स एकेडमी करकेंद, धनबाद में विद्यालय के संस्थापक सह पुटकी उच्च विद्यालय के पूर्व गणित शिक्षक (महान शिक्षाविद एवं गणितज्ञ) स्व. चंडीचरण बनर्जी (चंडी सर) की 25वीं पुण्यतिथि मनायी गयी| स्व०चंडीचरण बनर्जी (चंडी सर) के पूर्ववर्ती विद्यार्थी में जयंत घटक, ज्ञानदेव पांडेय, महादेव रावत आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अपने महान गुरुजी को नमन किया एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके द्वारा दी गई शिक्षा एवं उपदेशों का जिक्र किया साथ ही साथ उनके पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया|

विद्यालय के प्रधानाचार्य जो स्व०चंडीचरण बनर्जी के सुपुत्र हैं उन्होंने तथा विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने विद्यालय के संस्थापक को माल्यार्पण कर तथा दीप् प्रज्ज्वलित कर नमन करते हुए अश्रु नयन भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया|

उपस्थित सभी गण-मान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए चंडी सर को एक महान शिक्षक एवं अमर विभूति बताया| विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी ने अपने सारगर्भित संबोधन से उपस्थित जनमानस का मन मोह लिया साथ ही साथ यह भी घोषणा किया कि आज के दिन नामांकन कराने वाले विद्यार्थियों का नामांकन शुल्क माफ कर दिया जायेगा|

श्रद्धांजलि सभा का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रमोद कुमार सिन्हा कर रहे थे| उप-प्राचार्य देवाशीष मुखर्जी ने भी अपने संबोधन में स्व०चंडीचरण बनर्जी सर को एक महान अमर विभूति बताया|

इस मौके पर ग्रामीण एकता मंच के अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह, उपाध्यक्ष अनिल सिंह, प्राइभेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमन घोष, कोषाध्यक्ष विजय महतो ने स्व०चंडीचरण बनर्जी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित अर्पित किए एवं उन्हें एक महान शिक्षाविद बताया। अन्त में विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी एवं उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पौधरोपण के साथ श्रद्धांजलि सभा का समापन किया|

विधायक राज सिन्हा ने चारों मृतक के शोकाकुल परिवार को दी सांत्वना

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): बीती रात बरवाअड्डा जीटी रोड पर लोहारबरवा के समीप हाइवा की चपेट में आकर चार लोगों की मृत्यु के पश्चात आज धनबाद विधायक राज सिन्हा ने एस.एन.एम.एम.सी.एच. पहुँच कर शोकाकुल परिवार से मुलाक़ात कर सांत्वना दी।

मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना, रेलवे स्टेशन के पास खोला सहायता केन्द्र

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी के निर्देशानुसार आज रेलवे स्टेशन श्रमिक चौक के पास मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के जागरूकता के लिए सहायता केंद्र खोला गया। इस अवसर पर आमजनों के बीच मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत निःशुल्क यात्रा और योजना से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधान की जानकारी दी गई तथा शहर में जागरूकता रथ भी चलाया गया।

नहाने के दौरान दामोदर नदी में 17 वर्षीय किशोर की डूबकर मौत

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): बी आई टी सिंदरी के निवासी विजय कुमार रजक का 17 वर्षीय बेटा, जयराज, दामोदर नदी में नहाने के दौरान डूब गया। यह हादसा 18 जून 2024 को लगभग 3:00 बजे घटित हुआ जब विजय कुमार रजक अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गए थे। विजय कुमार रजक, जो 56 वर्ष के हैं और जिनके पिता का नाम बैद्यनाथ प्रसाद है, वर्तमान में बी आई टी सिंदरी के मकान संख्या आर्टिजन 1/5, थाना गौशाला ओ पी, जिला धनबाद में रहते हैं। वे अपने दोस्तों के साथ दामोदर नदी में नहाने गए थे, जहां उनके बेटे जयराज की डूबने से मृत्यु हो गई। जयराज का स्थायी पता भी बी आई टी सिंदरी, मकान संख्या आर्टिजन 1/5, जिला धनबाद है। इस दुखद घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने 19 जून की सुबह जयराज के शव को नदी से निकाला। विजय कुमार रजक ने बताया कि इस घटना में किसी के खिलाफ कोई शिकायत या दोष नहीं है। पुलिस ने घटना की जानकारी प्राप्त कर ली है और मामले की जांच जारी है। फिलहाल, इस हादसे से स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर है।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है| इसी क्रम में दिनांक 18.06.24 को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत मंडल के विभिन्न खण्डों के साथ-साथ धनबाद, चन्द्रपुरा, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में गहन टिकट चेकिंग की गई| यह मेगा टिकट चेकिंग अभियान दिन-रात चलाया गया। इस जांच अभियान में कुल 1598 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे| इस दौरान उनसे 08 लाख 38 हज़ार 960 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई व कड़ी हिदायत दी गई| चेकिंग अभियान में 160 टिकट चेकिंग कर्मियों को लगाया गया था| चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया| धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच की जा रही है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगी। इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाना है ताकि वे अगली बार टिकट लेकर यात्रा करें एवं उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के कारण किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

स्वाभिमान और आत्म गौरव से उपजी देश की स्वाधीनता, अखंडता

शाश्वत एवं चिरकाल तक बनाए रखें

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: करीबन आठ सौ से हजार वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेक जीवन का बलिदान देने और विभिन्न संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस संघर्ष से प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है अब कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं। कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी, मराठी, तेलगु, और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलतः हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे संके। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि "भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है"।

वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग-अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है। राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है। सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं। पर राजनैतिक मंसूबों के कारण कुछ राजनेता इन सभी संप्रदायों को आपस में लड़वाकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास करते हैं। पर यह एक अत्यंत विचारणीय पहलू है कि राष्ट्रीय अखंडता एकता तथा सहयोग को बनाए रखने के लिए केवल राजनेता या प्रशासनिक अधिकारियों का कार्य न होकर हम सबका यह कर्तव्य भी है कि हमें एकजुट होकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को सदैव बनाए रखने का सतत प्रयास करना चाहिए। हम यदि ऐतिहासिक रूप से देखें की अनेक धर्मो जातियों और अनेक भाषाओं वाला भारत देश पूर्व में अनेक विसंगतियां के बावजूद सदैव एकता के सूत्र में बंधा रहा है। भारत देश में पूर्व में भी अनेक विदेशी जातियां आई और धीरे-धीरे भारत की मूल धारा में समाहित होती गई। भारत में आगमन के साथ इन्हीं जातियों की परंपराएं, विचारधाराएं, संस्कृति, संस्कार भारत की मुख्य धारा में एक रूप हो गई और भारत की सांप्रदायिक सौहार्द की भावना आज भी वैसी की वैसी ही है। भारत के जिम्मेदार नागरिक होने के कारण हमारी बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इस देश की अखंडता एकता समरूपता और परंपरा को मजबूत बनाकर विश्व के सामने एक मिसाल के रूप में पेश करें। यह सार्वभौमिक सत्य है कि कोई देश यदि संगठित एक रूप और शक्तिमान होता है तो सारा विश्व उसकी इस ऊर्जा शक्ति को चिन्हित कर उसका सम्मान करता है। और उस पर आक्रमण या किसी भी तरह के प्रतिबंध लगाने से भयभीत रहता है। जब तक हम एकता के सूत्र में बंधे तब तक हम मजबूत एवं शक्तिशाली हैं और जब हम खंडित या विघटित हुए तब तब देश कमजोर हुआ है। अब हमें इन विघटनकारी ताकतों और विध्वंस कारी शक्तियों को नियंत्रण में लाकर इन्हें देश से बाहर भगाना होगा और इन पर प्रभावी नियंत्रण कर के देश की संप्रभुता एकता को बनाए रखना होगा। इसके लिए देश के संचार माध्यम, मीडिया, साहित्यकारों, कलाकारों को राष्ट्रीय एकता के लिए अपने को समर्पित भाव से सामने लाकर देश की सेवा करनी होगी।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक
वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

कहां हो तुम शर्म?

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: उस रोज एक शेरोशायरी की पुस्तक पढ़ते – पढ़ते अकस्मात मेरे ज्ञानचक्षुओं में एक कंपन्न उत्पन्न हुआ। बोध की प्राप्ति तो दूर----- अनुसंधान के लिए प्रश्न सा छोड़ गया वह अध्ययन। एक शेर था--- कयामत बरपा हो जाए जमी गर मिले आसमां से/गर एक बार तुम अदा से, शर्म से पलकें गिरा लो।

तो इस शेर में आपको कोई विशेषता न नजर आती हो फिर भी मैंने कहा न, ज्ञानचक्षु-।

खैर! यह शर्म नामक तत्व या यौगिक क्योंकि यह मिश्रण तो हो ही नहीं सकता, जैसा कि मैं सोचता हूँ। तत्व इसलिए कि किसी सुंदरी कन्या के पास यह हड़प्पा मोहनजोदड़ो के युग में विपुल मात्रा में पाया जाता था। और प्राचीन कन्याएं मिश्रित पदार्थ तो रखती न थीं, केवल शर्म या लज्जा तत्व का रखना ही उनके कन्यात्व का प्रमाण जो होता था, यौगिक इसलिए कि आजकल की युवतियां चाहे वे विवाहित हों अथवा अविवाहित, घूँघट तो दूर नजरें नहीं झुकातीं।

समानता का समर्थक भई, मैं भी हूँ। हां! लड़के जरूर झुका लिया करते हैं नजरें। अपनी प्रेमिका के सामने बेरोजगार प्रेमी तो कभी-कभी ही नजरें झुकाता है किन्तु विवाहित पुरुष उधर बॉस से लेकर इधर बीवी तक अपनी आंखें नीची किए शर्मसार हो जाता है। जो तत्व पहले कन्याओं के पास था आज के रोबोट युग में खड़े प्रेमी या पति के पास स्थानांतरित होकर यौगिक बन गया---- अब इसे भौतिक विधियों द्वारा अलग करना असंभव हो गया है।

इसी शर्म विषय पर जानकारी लेने मैं गुरुवर श्री लज्जा प्रसाद शर्म आ (शर्मा) जी से मिला। वे बोले – ''बड़े निर्लज्ज हो? यह भी कोई शोध का विषय है? माना तुम बुद्धिजीवी लगते हो लेकिन यह विषय हमें कुछ जंचता नहीं।''

मैंने कहा- ''किन्तुगुरूवर! आप तो जानते ही हैं कि हम भारतीय आजकल लोककला और संस्कृति के प्रति कुछ अधिक ही सचेत व संवेदनशील हो गए हैं। यह तो आज जबकि हम अपनी सारी विकट समस्याओं के साथ इक्कीसवीं सदी में हैं, पता लगाना एक आवश्यकता बन गयी है कि यह शर्म अखिर कहां है? मुझे आज्ञा दीजिये गुरूदेव!''

एकलव्य से अंगूठा लेकर उसे धनुर्विद्या प्रवीणता पर अंगूठा दिखाने वाले द्रोण की भांति मंदस्मित करते हुए उन्होंने कहा- ''जाओ! अर्जुन जैसे शिष्य! शर्म का पता लगाओ!''

पहले मुझे पुष्पवल्लरियों से लिपटी शकुंतला (अभिज्ञान शकुंतलम् की नायिका) का स्मरण हो आया। सबसे पहले मैंने काव्य नायिका के घर को ढूंढ़ना जरूरी समझा, क्योंकि शर्म अधिकतर काव्य में ही प्रयुक्त हुआ करता था, वह भी विशेषकर नायिका के संदर्भ में। एक स्थान पर लता लतिकाएं, पुष्पकलिकाओं युक्त सुंदर वाटिका सहित भवन दिखा जिसे आधुनिक भाषा में बंगला कहते हैं। मुझे लगा कालीदास की शकुंतला यहीं मिलेगी- मैं अनायास बढ़ा।

बैठका (ड्राइंगरूम) का दरवाजा खुला था। मैं द्वार पर खड़े रसोईघर (किचन) के दृश्य को अच्छी तरह देख सकता था क्योंकि वही दो प्राणी जो मानव योनि में जन्मे थे आंग्ल चलचित्र का दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे।

एक षोड़शी कन्या तीन इंच का घाघरा (स्कर्ट का अनुवाद कुछ चुभता है, फिर भी---) बांह विहीन (स्लीवलेस का अनुवाद भी कितना कठोर है) चोली पहने, एक युवक जो कपड़ों और चेहरे से बावर्ची जान पड़ता था, से लिपटी अपने अधरों से उसके अधरों का मिलाप करने का प्रयास कर रही थी----

बेचारा रसोइया उस कामुक कामिनी की इस प्रक्रिया से आयकर छापों से घबराने वाले आबकारी अधिकारियों की तरह घबरा रहा था। मुझे लगा भारत में साम्यवाद का आगमन हो गया है।

मैंने खाँस खँखार कर अपनी उपस्थिति का आभास कराया। झट से वह बावर्ची रसोई में, और वह कन्या उसी शाकुंतलीय परिधान में मेरे समक्ष प्रगट हुई, कमर पर हाथ धरे, सीना ताने: जैसे किसी फिल्म में खलनायक को ललकारते नायक खड़ा होता है। लज्जा नम्रता तो दूर, भौंकने वाले अंदाज में पूछा - ''क्या है''

"एक विषय पर खोज करने आया हूं--- आपसे कुछ बातें करना चाहता हूँ।''

"नहीं--- अपने पास फालतू बकवास सुनने, कहने का टाईम नहीं है." –फिर कुछ रुककर सोचती हुई कर्कशा ने कहा--- "लाइन, वाइन का चक्कर तो नहीं-----? हाँ अरे हरी। देखना तो यह आदमी मुझे लाईन मारने आया है" और वह बावर्ची सह प्रेमी हरी आता इससे पहले मैं मुहावरा "लाइन मारना" की भारतीयता पर लज्जाग्रस्त होता हुआ बाहर चला आया।

कुछ दूर पहुंचा ही था कि एक भीड़ ने मुझे अपनी ओर आकर्षित किया---- मैंने देखा एक क्रांतिकारी सा लगने वाला युवक क्षेत्रीय नेता को गालियां दे रहा था- "तुम्हें गाली देना गाली का अपमान है निकृष्ट आदमी। वोट लिए- बदले में आश्वासन देकर कुर्सी पर चिपक गये बस अपना मुटापा बढ़ा रहे हो----- हमारे लिए क्या किया है तुमने?"

नेता जी हंसते रहे खलनायकीय अंदाज में लोगों की भीड़ में। मैं भी क्रोधित युवक को मंदस्मितीय नेता संग देख चकराया। जब नेता के चमचे उस व्यक्ति को पकड़कर परे खींच ले गये, मैंने नेताजी के पास पहुँचकर पूछा – "आपको वह थोक भाव में गालियां दे रहा था---- और आप हंसे जा रहे है?"

"भई शिशुपाल की सौ गालियों को कृष्ण ने सहा फिर घुमाया सुदर्शन चक्र अहा। शिशुपाल ने कृष्ण को क्या दिया? कुछ नहीं, जबकि वोट देकर जिताने वाली जनता को हमे गालियां देने का मौका तो मिलना ही चाहिए--- और एक राज की बात बताऊं कि गालियां मैंने सुनी कहाँ? ये देखो मैंने रूई लगा रखी है कानों में-- वैसे भी गालियां देने लायक एनर्जी कहां है लोगों में----"

मैं उस बेशर्म से शर्म के विषय में कुछ पूछना शर्म की तौहीन मान वहां से खिसका।

मुझे लगा शर्म का अत्यधिक प्रयोग करने वाले हमारे क्षेत्र के कवि नयन प्रसाद "लज्जालु" से मिलना ठीक होगा! उनके घर पहुंचा। खटखटाने वाला ही था दरवाजा कि अंदर से पति-पत्नी के संवाद ने मेरे कानों में प्रवेश किया। "क्यों जी! तुम अपने साथ वाली कवयित्री कुमारी किन्शुक कलिका के घर क्यों जाते हो बार-बार"

"भई! कविता विशेषांक पर हम लोग बहस करते हैं।"

"लेकिन हमेशा बहसें उसी कुवांरी के एकांत कमरे में क्यों? अपने यहां क्यों नहीं? और तो और रात-रात भर क्या बहस करते हो? हां-और पार्क में एक-दूसरे से सटकर बैठे आंखों में आंखे डाले कविता पढ़ते होंगे।"

"तुम विप्रलंभ श्रृंगार क्या जानो भागवान!"

"हां, हां---- वह चुडैल जो अभी तक ब्याही नहीं गयी---- तुम्हें श्रृंगार सिखाती होगी। पांच बच्चों के बाप हो तुम्हें शर्म नहीं आती ऐसा करते हुए?"

"देखो! शर्म नाम की चीज थोड़ी भी रहती तो मैं कवि क्यों कहलाता? शर्म से अपना पाला तब पड़ा था--- जब तुम्हें देखने आया था। बस उस शर्म का खामियाजा अभी तक भुगत रहा हूँ।"

"हाँ। मेरे तो भाग फूट गए---- भगवान मुझे उठा ले।" लज्जालु से मिलकर मैं अपनी ललित शोध शर्म की चीरफाड़ नहीं करवा सकता था।

इतने सारे हादसों के बाद मुझे लगा कि गुरुवर लज्जा प्रसाद ने सही कहा कि शर्म की खोज व्यर्थ है। दौड़-धूप के कारण थक गया था। आराम की दृष्टी से पास के ही एक सीमेंट बेंच पर बैठा ध्यान मग्न हो शर्म के विषय में सोचने लगा। अचानक आवाज आयी "इक्कीसवीं सदी में जीने वाले अठारहवीं सदी के प्राणी। शर्म को ढूंढ रहे हो ----तुम ने मुझे बेशर्म के जंगल में फेंक दिया और शहरों में आदमियों के बीच खोजते फिर रहे हो नादान-असामयिक प्राणी। तुम बेशर्मों के बीच मैंरह नहीं पाऊंगी सो यहीं बेशर्म की झाड़ियों और दलदल में मुझे रहने दो शांति से---जाओ-।

मैं निर्लज्ज वापिस आ गया।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

नीट: 24 लाख बच्चों का भरोसा आप है मीलार्ड!

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: देश की सबसे बड़ी और कठिन प्रवेश परीक्षा नीट में गड़बड़ी के आरोपों के चलते परीक्षा की शुचिता सवालों के घेरे में हैं। स्नातक स्तर की राष्ट्रीय चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट यूजी के परिणाम में गड़बड़ी पर हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा। मामला उच्चतम न्यायालय तक भी पहुंचा और अब न्यायालय ने उन विद्यार्थियों की पुनः प्रवेश परीक्षा कराने को कहा है, जिन्हें ग्रेस मार्क दिए गए हैं। यदि वे पुनः परीक्षा देने से बचना चाहें तो उनके ग्रेस मार्क हटा दिए जाएंगे। हालांकि सरकार अब भी सफाई दे रही है कि परीक्षा में किसी तरह की कोई गड़बड़ी नहीं हुई है।

लेकिन गौर तलब तथ्य यह है कि इस परीक्षा में व्यापक गड़बड़ी होने के कई तथ्य प्रकाश में आए हैं जिनके आधार पर परीक्षा आयोजन के दौरान पेपर आउट होने और बड़े पैमाने पर परीक्षा में गड़बड़ी होने की आशंका के पर्याप्त आधार है। पटना में दर्ज एफआईआर और जांच में दर्ज बयान इस सच्चाई को चीख चीख कर कह रहे हैं कि नीट 2024 का पेपर आउट हो गया था। लेकिन पिछले कुछ दिनों में पेपर लीक की की घटनाएं सामने आने से पहले ही कई राज्यों में किरकिरी करा चुकी सरकार इस बार हर कीमत पर पेपर लीक की बात को नकार कर येन-केन-प्रकारेण मामले को मैनेज करने के लिए कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में तीन दिन पहले ही पद संभालने वाले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को कहा कि न पेपर लीक हुआ, न कोई अन्य गड़बड़ी हुई, फिर भी हम जांच कर रहे हैं, किसी अभ्यर्थी से अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।उनका यह बयान खुद ही की सवाल खड़े करता है जब जांच से पहले ही वह कह रहे हैं कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है फिर जांच का नतीजा कैसे सही होगा?

नीट में देशभर से लगभग 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इनमें से 1563 अभ्यर्थियों को ग्रेस मार्क दिए गए। क्यों? नीट आयोजित करने वाली एजेंसी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने कहा कि कुछ केंद्रों पर गलती से दूसरा पेपर बंट गया था, उसे वापस लेकर सही पेपर बांटने में कुछ समय लग गया था। अभ्यर्थियों को इस तरह समय खराब होने से कोई नुकसान न हो, इसलिए उन केंद्रों के 1563 अभ्यर्थियों को कुछ अंक कृपा के तौर पर दिए गए हैं। देशभर में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का आरोप था कि नीट में गड़बड़ी हुई और कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त अंक दे दिए गए, जिससे वे टॉपर बन गए। इस बार रिकॉर्ड 67 अभ्यर्थियों के अंक 720 में से 720 आए हैं, इस पर भी बवाल मचा हुआ है कि आखिर इतने बच्चे एक साथ शत-प्रतिशत अंक कैसे पा सकते हैं? कृपांक भी कितने दिए गए थे 10, 20 या 30 अंक नहीं, बल्कि 100 से 150 अंक तक दे दिए गए थे। ऐसी परीक्षा में 100-150 नंबर की खैरात बांटने से वे अभ्यर्थी मेरिट में आ गए, जो असली नंबरों के सहारे बहुत पीछे रह जाते और जो मेरिट में आने चाहिए थे, वे अभ्यर्थी पिछड़ गए। ऐसी मनमानी पर तो हंगामा होना ही था। सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने बताया कि विवाद केवल कृपांक पाने वाले 1563 अभ्यर्थियों पर है। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि 23 जून को उनकी पुनः परीक्षा आयोजित की जाए। जिसे अपने टॉपर होने का भरोसा है, वह परीक्षा में बैठ जाए, जो परीक्षा में नहीं बैठना चाहता, वह उन अंकों के आधार पर काउंसिलिंग में शामिल हो सकता है, जो उसे परीक्षा में मिले थे यानी इसमें कृपांक नहीं जोड़े जाएंगे।एनटीए सिर्फ 1563 छात्रों की दोबारा परीक्षा पर माननीय अदालत की सहमति लेकर पूरी गड़बड़ी पर परदा डालने की कोशिश कर रही है और इस में कामयाब भी हो रहा है जबकि मुख्य मामला सिर्फ कृपांक देने का नहीं है बल्कि पूरे परीक्षा में पेपर लीक होने नकल होने व व्यापक गड़बड़ी घोटाला करने का है उस पर माननीय कोर्ट भी सख्त नही है और जांच के लिए कोई कदम उठाने का निर्देश नहीं दिया है ऐसे में चौबीस लाख बच्चों को न्याय मिलेगा इस मे संदेश है। सरकार के शिक्षा मंत्री के बयान से भी संकेत मिलता है कि सरकार इस मामले में पर्याप्त संवेदनशील नहीं है और पेपर लीक होने व गड़बड़ी होने को अपनी नाकामी व बदनामी मान रही है जबकि प्राथमिकता बच्चों को न्याय देना होना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं है।

24 लाख अभ्यर्थी एक बड़ी संख्या है। ये युवा दो से चार पांच साल तक विभिन्न कोचिंग और घर पर कड़ी मेहनत अध्ययन कर तैयारी करते हैं ताकि चिकित्सा की पढ़ाई में उनका दाखिला हो जाए और वे एक योग्य डॉक्टर बनने का अपना और अपने माता-पिता का सपना पूरा कर सकें। यह बात राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में बैठे अधिकारियों को भी पता है और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों भी अवगत है। बावजूद इसके इस तरह की राष्ट्रीय परीक्षा में इतनी बड़ी गफलत कैसे हो सकती है? इस पर उठा विवाद इसलिए भी सही प्रतीत होता है क्योंकि गुजरात की एक लड़की इस परीक्षा में 705 अंक लाई है, जबकि 12वीं की परीक्षा में वह फिजिक्स और केमिस्ट्री में पास भी नहीं हो पाई थी। सवाल उठना ही था कि जो 12वीं की परीक्षा पास नहीं कर पा रही, वह नीट जैसी कठिन परीक्षा में इतने अंक कैसे ला सकती है? परीक्षा में 13 लाख अभ्यर्थी पास हुए, 11 लाख असफल रहे। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि परीक्षा कितनी कठिन रही होगी। दूसरा मामला यह था कि एक ही परीक्षा केंद्र के 8 अभ्यर्थियों के शत-प्रतिशत अंक आए हैं। इस बार एक ही परीक्षा केंद्र से इतने टॉपर कैसे?

यह मामला केवल नीट तक सीमित नहीं है, अन्य प्रति योगी परीक्षाओं पर भी इसी तरह के सवाल उठते हैं, उनके पेपर लीक हो जाते हैं, उनमें संधली होती है। बाद में जांच के नाम पर खानापूर्ति हो जाती है। कहीं कहीं नकल तो कहीं सीधे घूस देकर मंत्री के इशारे पर भर्तियां । ऐसे घोटालों का युवाओं के मानसिक स्वास्थ्यपर कितना दुष्प्रभाव पड़ता है, अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता। इसके लिए कुछ उठाने होंगे कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न हो पाए।

मौजूदा नीट के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अभ्यर्थियों की याचिका पर पहल तो की है लेकिन बहुत दबे पांव से।एक ओर माननीय न्यायालय ने एनटीए से जबाव मांगा है और अगली सुनवाई 8 जुलाई को एक महीने का समय दिया है और काउंसिलिंग प्रक्रिया पर कोई रोक नहीं लगाई है ऐसे में समझा जा सकता है कि प्रतिभा शाली योग्य अभ्यर्थियों पर क्या बीत रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रवेश प्रक्रिया पर कोई स्टे नहीं किया है। ऐसे हालात में जब कोई सक्षम जांच एजेंसी को भी इस परीक्षा में गड़बड़ी की जांच के लिए दायित्व नहीं सौंपा गया है तो एनटीए के जबाव से समस्या हल होने वाली नही है। सवाल यह है कि नीट पेपर लीक हुआ या नहीं? इस की जांच सीबीआई या समकक्ष जांच एजेंसी से करानी चाहिए। क्या माननीय न्यायालय इस तथ्य से अनभिज्ञ हैं कि लापरवाही या गड़बड़ी करने वाला संस्थान अपनी गड़बड़ी या गलती को स्वयं अदालत के सामने रखेगा? आज कल डिजिटल युग में जहां तमाम रिकॉर्ड आनलाइन कंप्यूटर पर मौजूद है जबाव के लिए एनटीए को एक माह का समय देना स्वयं में एक सवाल है। कैमिस्ट्री और फिजिक्स में एक दो नंबर लाने वाले अभ्यर्थी के नीट में 705 अंक और एक ही परीक्षा केंद्र में आठ बच्चों के फुल मार्क्स आना बड़ा घोटाला और गड़बड़ी का साफ प्रमाण है। माननीय सुप्रीम कोर्ट को इस मामले की रोजाना सुनवाई कर दूध का दूध पानी का पानी करना चाहिए। सरकार को नाक का बाल न बना कर तत्काल इस परीक्षा को रद्द कर दोबारा परीक्षा करानी चाहिए ताकि कई कई साल से तैयारी में जुटे बच्चों को न्याय मिले।

मनोज कुमार अग्रवाल

छात्र विदेश में पढ़ना क्यों पसंद करते है और उससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पढ़ता है?

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: आज कल 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा छात्र विदेश में पढ़ाई के लिए जा रहे हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण को शक्तिशाली अभियान द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है। इस पलायन के पीछे क्या कारण हैं? भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है? इस पलायन का एक कारण स्नातक होने के बाद भारत में नौकरी पाने का संघर्ष है। छात्रों का मानना है कि विदेश में बेहतर जीवन जीने की गुंजाइश है। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद, वे आर्थिक और शैक्षणिक रूप से अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए वहाँ रहना जारी रखते हैं। दूसरा पहलू कई विदेशी देशों में उदार जीवनशैली है, जो छात्रों को एक स्तर की स्वतंत्रता प्रदान करती है जो उनके घरों में संभव नहीं हो सकती है। तीसरा पहलू पढ़ाई के दौरान कमाई की संभावना है।यह भी माना जाता है कि विदेशी विश्वविद्यालय में पढ़ाई करना भारतीय संस्थान में पढ़ाई करने से ज़्यादा प्रतिष्ठा वाला होता है। यह भी सच है कि प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों में प्रवेश मुश्किल है और केवल कुछ प्रतिशत छात्र ही सीट पा पाते हैं। विदेशों में कॉलेजों में प्रवेश की अपेक्षाकृत आसानी के कारण, ज़्यादा छात्र उच्च शिक्षा के अपने सपने को पूरा करने में सक्षम होते हैं।राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उद्देश्य भारतीय विश्वविद्यालयों को अनुसंधान, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान पर ध्यान केंद्रित करके विदेशी विश्वविद्यालयों के बराबर लाना और विविध क्षेत्रों में सीखने के समान अवसर प्रदान करना, बेहतर शिक्षक प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे का विकास करना है। लेकिन इसे लागू करने और प्रभावी होने में समय लगेगा। जबकि भारत अनुसंधान-आधारित शिक्षा स्थापित करने की चुनौतियों पर काबू पा रहा है, छात्र ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र खोजने के लिए विदेश जाना पसंद करते हैं।

वैसे देखा जाय तो विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि चिंता का विषय है। जिस रफ्तार से पढ़ाई और रोजगार की तलाश में युवा शक्ति का पलायन हो रहा है, उसे अगर समय रहते नहीं रोका गया तो अपने देश के आर्थिक विकास के लिए बुद्धि एवं कौशल युक्त श्रम शक्ति की समस्या भी खड़ी हो सकती है।

उदारीकरण, स्थिरीकरण और निजीकरण पर आधारित अपनी आर्थिक नीतियों के कारण भारत तेजी से आर्थिक विकास करते हुए दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है, लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद भी शिक्षा की पद्धति में बरकरार खामियों की वजह से भारतीय छात्रों के पलायन का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

यदि राज्यवार आंकड़ा देखें तो वर्ष 2021 तक विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों में 12% पंजाब से, 12% ही आंध्र प्रदेश से और 8% विद्यार्थी गुजरात से थे। अगर युवाओं की कुल संख्या के अनुपात में देखा जाए तो पंजाब से प्रत्येक हजार में से 7 युवा, आंध्र प्रदेश में प्रति हजार में चार युवा और गुजरात से प्रति हजार में कम से कम तीन युवा विदेश में हर साल पढ़ने के लिए गए हैं। यदि वर्ष 2016 से वर्ष 2022 की संचयी संख्या लें तो स्थिति काफी चिंताजनक दिखाई देती है। पंजाब में यह संख्या 50 प्रति हजार, आंध्र प्रदेश में 30 प्रति हजार और गुजरात में 16 प्रति हजार है।

किसी भी देश की पहचान उसके नागरिकों से होती है। शिक्षित, समर्थ, कुशल, सक्षम नागरिक तो समर्थ और सक्षम देश। भारत अरसे से अपनी क्षमताओं का एहसास कराने वाला देश बना हुआ है। भारतीय मेधा ने नए जमाने के आईटी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। आश्वस्ति हुई है कि शिक्षा के क्षेत्र में जोरदार प्रयास किया गया तो भारत उन्नति के रास्ते पर सरपट आगे निकल सकता है। लेकिन इस हकीकत से कैसे मुंह चुराया जा सकता है कि अच्छी शिक्षा, सार्थक शिक्षा तथा रोजगार सृजन के रास्ते में आ रही अड़चनों को नहीं हटाए जाने के कारण भारतीय युवा बड़ी तादाद में पढ़ने के लिए विदेशों की ओर भाग रहे हैं और इसके साथ ही देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भी विदेशों को जा रही है।

ऐसा प्राय: देखने को मिलता है कि माता-पिता अपनी परिसंपत्तियों को बेचकर युवाओं को विदेशों में पढ़ने के लिए भेज रहे हैं। एक समय था कि विदेशों में रह रहे भारतीयों के माध्यम से बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा देश में आती थी। विदेश में अच्छी पढ़ाई के क्रेज के चलते यह प्रक्रिया उलट गई है। अब विदेशों से धन आने के बजाय भारत से विदेशों को धन भेजा जा रहा है। ऐसे में जब वर्ष 2024 तक विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 20 लाख से ऊपर होगी और उनके द्वारा खर्च की जाने वाली राशि और 80 अरब डॉलर से अधिक पहुंच जाएगी तो यह देश के लिए एक तरह से संकटकारी स्थिति का कारण बन सकता है।

पिछले दो-तीन दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में देश में प्रगति हुई है। यदि उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों का प्रवेश देखें तो वर्ष 1990-91 में जहां मात्र 49.2 लाख विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लिया, यह संख्या 2020-21 में 414 लाख तक पहुंच गई। मोटे तौर पर शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में पिछले 30 वर्षों में 10 गुना से भी अधिक की वृद्धि हुई। यदि उच्च शिक्षण संस्थानों की बात की जाए तो वर्ष 2021 में देश में 1113 विश्वविद्यालय और समकक्ष संस्थान, 43,796 महाविद्यालय और 11,296 अन्य स्वतंत्र संस्थान हैं। देश के उच्च संस्थानों में लगभग 15 लाख शिक्षक कार्यरत हैं। देश में केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ-साथ राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालय और डीम्ड विश्वविद्यालय भी हैं। प्रबंधन, मेडिकल और इंजीनियरिंग के भी ढेर सारे संस्थान हैं।

फीस के मोर्चे पर भी भारतीय शिक्षण संस्थानों की फीस विदेशी संस्थानों की फीस से बहुत ही कम है। ऐसे में प्रश्न यह खड़ा होता है कि भारी भरकम राशि खर्च करके भारत के युवा विदेशी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेते ही क्यों है? इसका एक उत्तर यह भी है कि अधिकांश विद्यार्थी विदेश में उच्च स्तरीय शिक्षा में प्रवेश लेकर केवल डिग्री नहीं बल्कि वहां रोजगार की तलाश करते हैं। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इंग्लैंड या अन्य यूरोपीय देशों में जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों का वास्तविक लक्ष्य शिक्षा प्राप्त करना नहीं बल्कि वहां रोजगार प्राप्त करना है। लेकिन इन विद्यार्थियों को यह समझाने की जरूरत है कि वर्तमान में उन देशों में भी रोजगार की भारी कमी है। यही कारण है कि वहां से अधिकांश विद्यार्थी खाली हाथ लौट रहे हैं।

पूर्व में गए कुछ विद्यार्थियों की सफलता को रोल मॉडल मानते हुए आज के युवा पलक झपकते सब कुछ पा लेने की होड़ में विदेशी संस्थाओं के लिए भाग तो रहे हैं लेकिन उन्हें इस बात का अहसास नहीं हो रहा है कि विदेशी शिक्षा संस्थान वर्तमान में खुद का अस्तित्व बचाने के लिए सस्ती कीमत पर भारतीय विद्यार्थियों को आसानी से प्रवेश दे रहे हैं। एक बार प्रवेश देने के बाद वे संस्थान भारतीय विद्यार्थियों को बेतहाशा लूट रहे हैं। हाल ही में कई ऐसे संस्थानों की खबरें आई हैं जिनका शिक्षा से कोई सरोकार नहीं है, शिक्षा के नाम पर दुकान खोलकर बैठे हैं।

ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों को विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं को वास्तविकता से अवगत कराने के लिए विशेष प्रयास करने की जरूरत है ताकि वह विदेश में जाकर अपने माता-पिता की गाढ़ी कमाई को यूं ही न गंवाएं। देश के जो अनभिज्ञ युवा विदेश में शिक्षा के नाम पर ठगे जा रहे हैं उन्हें इस समस्या से बचने के लिए सरकार को आगे आना चाहिए साथ ही समाज के प्रबुद्ध वर्ग को भी इस समस्या के हाल के लिए व्यक्तिगत स्तर पर भी पहल करनी चाहिए।

अब समय आ गया है कि सरकार भारतीय युवाओं के पलायन और उनके माता-पिता की गाढ़ी कमाई विदेश में जाने से रोकने हेतु एक विस्तृत और व्यापक कार्य योजना के साथ आगे आए, ताकि भारतीय उद्योग धंधों को कुशल श्रम शक्ति उपलब्ध होती रहे तथा भारत के दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कोई बाधा ना आए।

अशोक भाटिया

पेड़ क्यों रह गए पीछे

बिगड़ते पर्यावरण के दौर में पेड़ ही दे सकते हैं राहत, सभी शुरू करें पेड़ लगाना

हेमलता म्हस्के

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: गर्मी तो हर साल आती है लेकिन इस बार पिछले रिकार्ड भी तोड़ रही है। यह हमारी लगातार लापरवाही का नतीजा है। हमने कंक्रीट के जंगल बसाए। ढेर सारे उपकरण लगाए लेकिन पौधे नहीं लगाए बल्कि उनको काट डाला। क्या हम अभी भी सावधान नहीं होंगे। बढ़ते तापमान को रोकने के लिए हमें अपनी कोशिशें तेज करनी होंगीं। पिछले कई वर्षों के मुकाबले इस बार अप्रैल और मई के साथ जून महीने में इतनी भीषण गर्मी पड़ी है जिससे अब तक के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी, सूरज का बढ़ता पारा और लू के थपेडों से न केवल मनुष्य बल्कि पशु पक्षी और जीव जंतु सभी का हाल बेहाल है। सूरज का पारा दिन प्रतिदिन बढ़ने का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान को ही ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। पृथ्वी सूर्य की किरणों से ऊष्मा प्राप्त करती है जो वायुमंडल से गुजरते हुए पृथ्वी की सतह से टकराती हैं और धरती को ऊष्मा प्रदान करती है।

इंसान की लापरवाही और धन की हवस के कारण वायुमंडल की निचली परत में ग्रीन हाउस गैसों का आवरण सा बन जाता है। यह आवरण लौटती किरणों के एक बड़े हिस्से को रोक लेता है ऐसी रुकी हुई किरणें ही धरती के तापमान को बढ़ाती हैं। वायुमंडल में गैसों का एक निश्चित अनुपात माना गया है लेकिन बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग के कारण संतुलन बिगड़ रहा है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में 24 लाख टन की बढ़ोतरी हुई है जबकि ऑक्सीजन की मात्रा में 26 लाख टन की कमी आई है। यह असंतुलन मानव सहित पशु पक्षियों और वनस्पति जगत के लिए बहुत ही चिंताजनक है। अगर हम अभी भी जागरूक नहीं होंगे तो वह दिन दूर नहीं जब हमें घर से बाहर निकलते हुए अपने साथ ऑक्सीजन का एक छोटा सिलेंडर भी ढो कर ले जाना होगा। इसी के साथ भविष्य में ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी के तापमान में और बढ़ोतरी होगी और अगर ध्रुव और ग्लेशियर की बर्फ पिघलने लगी तो पूरी पृथ्वी समुद्र के जल से जल मग्न हो सकती है और पृथ्वी पर महा प्रलय भी आ सकती है भविष्य में संकट को देखते हुए हमें मिलकर ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें पौधे लगाने होंगे क्योंकि केवल सरकार के भरोसे ग्लोबल वार्मिंग को नहीं रोका जा सकता अगर हर साल हर परिवार का एक व्यक्ति एक पौधा लगाए तो हम अपने आसपास के 2.5 सेंटीग्रेड फारेनहाइट तापमान को कम कर सकते हैं इसलिए जरूरी है कि हमें मिलकर प्रयास करने होंगे वरना भविष्य में ना केवल हमें बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी कष्ट उठाना पड़ेगा।

पेड़ मनुष्यों को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन का भंडारण करते हैं, मिट्टी को स्थिर करते हैं और दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के जीवों का समर्थन करते हैं। वे हमें उपकरण और आवास के लिए आवश्यक संसाधन भी देते हैं। पेड़ पत्तेदार छाया और नमी से हवा, भूमि और पानी को ठंडा करते हैं। हमारे घरों के पास और हमारे समुदाय में लगाए गए पेड़ तापमान को नियंत्रित करते हैं, और जीवाश्म ईंधन को जलाने से उत्पन्न एयर कंडीशनिंग और हीटिंग की आवश्यकता को कम करते हैं, जो अतिरिक्त वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड का एक प्रमुख स्रोत है। पेड़ गीत गाने वाले पक्षियों को अपने करीब लाते हैं। पक्षियों के गीत हवा में गूंजते रहते हैं क्योंकि पेड़ अनगिनत प्रजातियों के लिए घोंसले बनाने की जगह, भोजन और आश्रय प्रदान करते हैं। पेड़ सभी वन्यजीवों को आश्रय और पोषण देते हैं।

प्रकृति इंसान की सबसे बड़ी दोस्त होती है। लेकिन इंसान को प्रकृति की उतनी परवाह नहीं है। इंसान अपने आराम के लिए प्रकृति का बेधड़क इस्तेमाल कर रहा है। पहले जहां जंगल थे। चारों तरफ जहां हरियाली थी। वहां अब हरियाली सिमटती नजर आ रही है। और इसका सबसे बड़ा कारण है इंसान। इंसानों ने अपने इस्तेमाल के लिए पेड़ों की कटाई की और जमीनों की खुदाई की। इसके साथ ही जंगलों का वातावरण ऐसा किया जिससे आज भारत में पिछले कुछ सालों से जंगल लगातार कम होते जा रहे हैं। भारतीय वन राज्य रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 में भारत में 7,13,789 स्क्वायर किलोमीटर जंगल क्षेत्र है, जो पूरे देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.72 प्रतिशत है। इसमें साल 2019 के बाद 1540 स्क्वायर किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई। लेकिन पिछले कुछ सालों में इसमें कमी देखने को मिली है जो एक चिंता का विषय है।

दुनिया में सबसे ज्यादा जंगल रूस में है। रूस में 815 मिलियन हेक्टेयर से ज़्यादा जंगल है, जो रूस के पूरे क्षेत्रफल का 45% है। दुनिया के सबसे बड़े जंगल की बात की जाए तो वह दक्षिण अमेरिका में है। दक्षिण अमेरिका का जंगल अमेजॉन रेनफॉरेस्ट करीब 65 लाख स्क्वायर किलोमीटर में फैला हुआ है। इसे पृथ्वी का फेफड़ा भी कहते हैं क्योंकि यह दुनिया की करीब 20% ऑक्सीजन पैदा करता है। वहीं अगर भारत की बात की जाए तो भारत में सबसे ज्यादा जंगल मध्य प्रदेश में है, जो 77,462 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं।

हमारी जीवन शैली और कुछ लापरवाहियों की वजह से जो ठंडे इलाके माने जाते थे वहां भी अब गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। इसके तुरंत बाद बाढ़ और वर्षा की आपदाओं का सामना करेंगें। हम देखेंगे कि फिर सुखा भी आएगा। खेती बर्बाद होगी। ऐसे में पानी के लिए पूरे देश में हाहाकार होगा। फिर जब ठंड का समय आएगा तो भी उतनी ठंड नही होगी जिससे हम यह महसूस कर सकेंगें कि ठंड का मौसम आ गया। नदियां सूख रही हैं। दुनिया भर में लाखों लोग गर्मी से मर रहे हैं। इनमे 30 फीसद लोग एशिया के हैं। जिस रफ्तार से जंगल कट रहे हैं। उस हिसाब से पर्याप्त पेड़ नहीं लग रहे हैं। भारत के खेतिहर इलाके में 60 करोड़ छायादार पेड़ थे। 2010 में मैपिंग के अनुसार और 2018 के एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र आठ सालों में साढ़े 6 करोड़ से अधिक छायादार पेड़ नष्ट कर दिए गए।ये आंकड़े सबसे अधिक तेलांगना, हरियाणा, केरल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के हैं, जहां इन दिनों गर्मी के कारण हाहाकार मचा हुआ है। ऐसे में हमारी आदतें और आरामपरस्ती नहीं बदलेगी तो हम निश्चित ही अपने अंत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इन सब का बुरा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

अपने देश में पिछले एक दो दशकों से पेड़ लगाओ अभियान सरकार और समाज द्वारा चलाए जा रहे हैं लेकिन बावजूद इसके तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। पेड़ लगाने का काम हमें ईमानदारी से और पूरी गंभीरता से करने की जरूरत है। पेड़ लगाने के नाम पर बेइमानी को छोड़ना होगा। आज पेड़ हमारी जिंदगी में बहुत पीछे रह गए हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को राज्यपाल बनाये जाने पर लोगों ने दी बधाई

कोलफील्ड मिरर 20 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: पूर्व केन्द्रीय मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता भागलपुर निवासी अश्विनी चौबे को तेलंगाना के राज्यपाल बनाये जाने पर वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप मिश्र, मनोज शास्त्री, सत्यनारायण ओझा, बरुन गोस्वामी, गुड्डू झा, मुकेश गोस्वामी, झुम्पा सिंह, भूलन दुबे, मिठ्ठू पाण्डेय सहित अन्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री चौबे इसके पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए भागलपुर विधानसभा से कई बार विधायक

व बक्सर लोकसभा से सांसद भी रह चुके है।

एक ऐसा शीतला मंदिर जहां आने वाले सभी भक्तों की होती है मनोकामनाएं पूरी

कोलफील्ड मिरर 20 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के रोशनपुर पंचायत अंतर्गत मेहरपुर शीतला स्थान जहां पूजन की एक अलग ही परंपरा वर्षों से चली आ रही है। ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्त यहां अपनी मन्नत मांगते हैं, माता के दरबार मे उनकी मन्नत निश्चित रूप से पूरी होती है। मन्नत पूरी होने पर भक्त सपरिवार माता शीतला का विधि-विधान के साथ पूजन करते हैं। विशेष कर मंगलवार को भक्त माता को मिट्टी का कराह, साड़ी व सोने चांदी से बने आभूषण चढ़ा अपने एवं परिजनों के लिए दीर्घायु जीवन के साथ हीं सुख समृद्धि की मंगलकामना करते है। वहीं पूजन करने आए एक भक्त मुनि देव पाण्डेय ने बताया कि माता की कृपा बड़ी ही निराली है माता ने उनकी भी मन्नत पूरी की है। इसलिए वह सपरिवार पूजा करने आए हुए है।

शिवनारायणपुर स्टेशन पर इंटरसिटी व वनांचल एक्सप्रेस ठहराव को लेकर सौपा ज्ञापन

कोलफील्ड मिरर 20 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: साहिबगंज भागलपुर रेलखंड के शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन पर नियमित रूप से दानापुर साहेबगंज इंटरसिटी एवं वनांचल एक्सप्रेस के ठहराव को लेकर समाजसेवी सह रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति सदस्य सोनू आनंद ने भागलपुर सांसद अजय कुमार मंडल से मिलकर ज्ञापन सौपा। वहीं उन्होंने बताया कि सांसद महोदय ने क्षेत्र वासियो की समस्या को ध्यान मे रखते हुए शीघ्र रेलमंत्री से मिलकर उक्त दोनों ट्रेन का ठहराव शिवनारायणपुर स्टेशन पर सुनिश्चित करने का भरोसा दिया है।

हर दिन पेरेंट्स डे

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: न जाने क्यों इस साल गर्मी ने अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। सूरज देवता अंगारे बरसा रहे हैं। 43-44 डिग्री की गर्मी में भी मैं अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए स्कूल पहुंच जाती हूं पर आदरणीय प्रधानाध्यापिका महोदया की कृपा से कक्षाओं की समय सीमा में बदलाव कर दिया गया है ताकि बच्चे बिना किसी परेशानी के विद्यालय पहुंच सके। बच्चे आ रहे हैं और यह अच्छी बात है। ये भविष्य हैं हमारे भारत के। इन बच्चों को पढ़ाते हुए मैं खुद को धन्य समझने वाली जब बस से घर वापस आ रही थी तभी बस के खलासी ने मुझे टोका- "मैडम जी धूप चश्मा लगा लीजिए,गर्मी बहुत ज्यादा है।" मैंने देखा वह बहुत बुढ़ा था और रिटायरमेंट की उम्र में यह काम कर रहा था मैंने उससे पूछा- चाचा आपका चश्मा कहां है? उसने जवाब दिया -हमारे पास कहां? मुझे बुरा लगा कि मैंने कैसा सवाल पूछ लिया.. फिर मैंने अपनी गलती को सुधारने की कोशिश की लेकिन इस बार फिर से गलत सवाल पूछ लिया इस उम्र में क्यों काम करते हो? आपका लड़का क्या करता है? और उसने ऐसी बात कह दी कि मैं यह लेख कहिए अथवा एक सच्ची कहानी लिखने पर मजबूर हो गई। उसने कहा- लड़का नहीं है एक ही लड़की है और उसका ब्याह हो गया है। और फिर बस चली गई,, 68- 69 उम्र के बूढ़े आदमी को धूप में काम करने की मजबूरी ने मुझे अत्यंत व्यथित कर दिया और मैं संवेदना से भर गई। काले चश्मे के अंदर आंसुओं से डब -डबायी हुई आंखों को किसी ने नहीं देखा। अच्छा ही हुआ वरना लोग हंसते,,और वे कर ही क्या सकते हैं?

रिश्तेदार, मित्र -मंडली और यह समाज हमारा जीवन न चाहते हुए भी इन सभी वर्गों के साथ जुड़ा हुआ है। मैंने बहुत ही कम सज्जनों को देखा है कि वे बुरे समय में आपका साथ देंगे,, वो भी बिना किसी स्वार्थ के। अधिकांश लोग तो वो होते हैं जो आपको बस देखेंगे, आप पर हसेंगे जब आप तकलीफ में होंगे और जलेंगे जब आप सफल होंगे। यही समाज है,, मुखौटे लगाए हुए लोग। जिनके हिसाब से अगर लड़की परिवार में बहू बनकर आए तो पति के माता-पिता भाई-बहन सबको अपना समझना और उनकी सेवा -सुश्रुषा करना उसका कर्तव्य बन जाता है। लेकिन लड़की के पति के लिए यह नियम नहीं है। वह बस दामाद है, अपने ससुराल का। उसे लड़की के माता-पिता के लिए कोई कर्तव्य नहीं है,,,, है तो बस अधिकार,,,, दहेज लेने का।

अब समझ में आ रहा है कि कई बार में रास्ते, चौराहों, गलियों आदि कई जगह पर वृद्ध और वृद्धाओं को अस्वाभाविक रूप से परिश्रम करते हुए क्यों देखती हूं। आराम करने की उम्र में अथाह परिश्रम करते हुए क्या वे सारे लड़कियों के ही पिता होते हैं ?? नहीं.... कई सारे ऐसे भी पिता हैं,जिनके सुपुत्र हैं। लेकिन मैं उन्हें कुपुत्र तथा को कुपात्र ही कहती हूं। मैं केवल लड़कों को दोष देकर फेक फेमिनिज्म को समर्थन नहीं करती। आधी आबादी को इस विषय में पूरा नहीं तो कम से कम आधा दायित्व तो लेना ही होगा। बेटियां जब बहू बन जाती है तब ना जाने क्यों उनका सेवा भाव कहीं खो जाता हैं अपने मां - पापा की लाडो सास- ससुर की सेवा करना तो दूर उन्हें देखना भी पसंद नहीं करती है। उसकी प्राइवेसी में पति के माता-पिता बाधा बन जाते हैं इसलिए जितना जल्दी हो सके वे इन वृद्धजनों से छुटकारा पा लेना चाहती हैं।

श्रवण कुमार और भगवान श्री राम जैसे महान पुत्रों की धरती पर बढ़ते हुए वृद्धाश्रम और आए दिन बेघर हो रहे बूढ़े माता-पिता की दशा अत्यंत विचारणीय है। यह बहुत ही गंभीर विषय है जिसे हम अनदेखा कर रहे हैं क्योंकि यह ऐसा कोई विषय नहीं है, जिसमें प्रॉफिट की बात हो तो फिर लोग सोचेंगे ही क्यों... लेकिन सोचना होगा। हमारी भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम् का अनुसरण करती है। पर अब हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। छोड़ते जा रहे हैं। पाश्चात्य सभ्यता से प्रभावित होने वाली आज की युवा पीढ़ी को अपने माता-पिता ही भार लगे लगे हैं। वे अतिथि का क्या ही सत्कार करेंगे? किंतु करते हैं क्योंकि आज का समाज दिखावा और छलावा ही है। अपने शान बघारने के लिए दोस्त- यार पर फिजूल खर्च करने वाले लोग अपने माता-पिता की जरूरी दवाइयां आदि चीजें लेने से कतराते हैं।मैं चाहती हूं कि ऐसे कुत्सित व्यवहार करने से पहले बच्चों को यह सोचना चाहिए कि अगर ऐसा ही व्यवहार माता-पिता बचपन में उनके साथ करते तो क्या आज उनका जीवन इतना खुशनुमा होता ? क्या माता-पिता ने बच्चों की जरूरतों का ध्यान अपने इच्छाओं से ऊपर नहीं रखा? क्या बच्चों का यह कर्तव्य नहीं है कि वह अपने माता-पिता के जरूरतों का ख्याल रख सके? उन्हें थोड़ी बहुत खुशियां दे सके... मेरी यह बात बहुत सारे लोगों को उपदेश लगेगी, लेकिन यह उपदेश की बातें नहीं, यथार्थ हैं।

मेरे पिताजी कहते हैं की गेंद को आप जितनी जोर से दीवार पर दे मारेंगे वह उतनी ही तेजी से वापस आपके पास लौटता है। कहने का तात्पर्य है कि आप अपने कर्म के फल से बच नहीं सकते। कर्म आपको आपकी क्लास देखकर आपको वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं देगा। आपको आपके किए हुए कर्म का फल अवश्य ही मिलेगा। आप भी एक दिन बूढ़े होंगे। आप भी एक दिन लाचार होंगे और आपको भी तब कोई ऐसा चाहिए होगा जो आपका ख्याल रखे,, बातें सुन सके और समझ सके।पैसे कमाने तथा समय न मिलने का बहाना बनाकर आपके माता-पिता भी आपके लिए केयरटेकर रख सकते थे पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने आपको पाला -पोसा और संस्कार दिए और आपको काबिल बनाने की हर वो कोशिश की जो वे कर सकते थे। इसलिए सिर्फ केयरटेकर रख देने से आप अपने बूढ़े माता-पिता के ऋण से मुक्त नहीं हो सकते हैं। युवा पीढ़ी को समय देना होगा अपने माता-पिता को।उनके जरूरत की ख्याल रखना होगा। वर्ष के कोई दो रविवार मदर्स डे तथा फादर्स डे मना कर सोशल मीडिया पर अपने माता और पिता की केक काटते हुए तस्वीर लगा देने से आप लाइक कमेंट्स तो ढेर सारे पा सकते हैं लेकिन उससे कहीं बढ़कर आप तब खुशी पाएंगे जब आप अपने वृद्ध माता-पिता और सास ससुर के जरूरतों को पूरा करेंगे, उनका ख्याल रखेंगे, थोड़ा सा समय उनके साथ गुजारेंगे। उनका रोम रोम आपको आशीर्वाद देगा।

चेहरे की चमक और मकान की ऊंचाई पर मत जाना,, घर के बुजुर्ग हंसते हुए मिले तो समझ लेना कि ये घर अमीरों का है।

सुषमा मिश्रा
शिक्षिका, पश्चिम बंगाल

बदलते वक्त का कड़वा सच

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: अच्छा वक्त के साथ कितना कुछ बदल रहा है ना बल्कि कितना कुछ बदल गया है। एक समय हुआ करता था जहां लोगों को लोगो के भावनाओं का कद्र हुआ करता था। पर इस बदलते वक्त और बदलते माहौल मे लोगो की भावनाएं भी ....छली सी हो गयी है दिखावटी हो गयी है।

वो प्रेम भाव, वो अपनापन, वो अपनों के लिए त्याग, वो अपनों वा गैरों के लिए निष्कपट प्रेम खत्म सा ही हो गया। बदलती दुनिया के साथ लोगो ने अपनी भावनाओं का भी मोल बना लिया है। आधी सी ज्यादा दुनिया दिखवाटी प्रेम पर रिस्ते निभा वा जता रही है। एक समय हुआ करता था जब लोग किसी को स्टेशन छोड़ने जाया करते थे तो भी आँखे भीग जाया करती थी .....और आज के इस निर्ममी दुनियां मे लोग शमशाम मे भी खड़े होकर मुस्कुराते हुए नजर आ जाते है .....कुछ लोगो को देखकर तो लगता है की बस ओ समाज के बंधन मे है बस दिखवाटी, बनावटी फ़र्ज़ निभा रहे है।

अब इस बदलती दुनिया मे संसार मे आना और जाना बड़ा हि महंगा हो गया है। अधिकतर हि बिना सिजेरियन डिलीवरी के बिना कोई आता नही .....और बिना वेंटिलेटर के कोई जाता नही .....भगवान के द्वारा बनाये गये लोग जो निशुल्क आया करते थेइन्सानो की जालसाजी वा फरेब के कारण सबकुछ शुल्करूप हो गया है। कुछ फरेबी लोग तो अपनी नकली भावनाएं भी बेच देते है कुछ शुल्क पर।

बहुत मुश्किल हो गयी है एक सच्चे और अच्छे इंशान की पहचान करना ..... लोगो की झूटी और बनावटी भावनायो पर भरोसा हि नही होता है ..... हो भी कैसे दोनो हि जो नकली हो गये है कोई कैसे करे पहचान ....क्या आँशु क्या मुस्कान।।

लोगो ने रंग बिरंगी दुनिया को ...फरेब से बना दिया शमशान ।।

लेखिका जुही
कोलकाता

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर सन्त उमाकान्त जी महाराज का सतसंग व नामदान आश्रम जोधपुर में 21-22 जून को

कबीर जयंती पर सतसंग में आओ, दुःख तकलीफों में राहत पाओ, नामदान लेकर भक्ति कमाओ, नर्क-चौरासी से मुक्ति पाओ

कोलफील्ड मिरर 20 जून (जोधपुर/राजस्थान): निजधामवासी बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, इस समय के पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज का सतसंग व नामदान 21 जून, शुक्रवार, सायं 5:30 बजे से व 22 जून, शनिवार, प्रातः 5 बजे से स्थान बाबा जयगुरुदेव आश्रम, जयगुरुदेव नगर, ओसियां रोड, दईजर, जोधपुर, राजस्थान में समय परिस्तिथि अनुकूल होने पर होगा। संपर्क- 9799948007, 8005833615, 9462709190. इस समय कलियुग में सन्त और सतसंग न मिलने से लोगों को अच्छे व बुरे की जानकारी खत्म होती जा रही है। यह मनुष्य शरीर जो भगवान ने भजन-इबादत के लिए दिया है,

इसको गुनाहगार बनाकर इंसान कर्मों की सजा भुगत रहा है। गरीब गरीबी से, बीमार बीमारी से, गृहस्थ परिवार से, धनी-मानी, पद-प्रतिष्ठा वाले लोग शान्ति न मिलने की वजह से दुखी हैं। इसलिए इस समय पर सन्त और सतसंग की ठीक उसी तरह जरूरत है जैसे संभाल करने के लिए छोटे से बच्चों के लिए माता पिता की।

इस समय पर घर-घर लड़ाई-झगड़ा, बीमारी, रुपया-पैसा में बरकत न मिलने से पूजा-पाठ इबादत करते हुए भी शान्ति नहीं मिलने से जो लोग दुखी हैं, खासतौर से उन्हीं लोगों के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में बाबा जयगुरुदेव

जी महाराज के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी वक्त गुरु परम् पूज्य बाबा उमाकान्त जी महाराज सतसंग व नामदान देने के लिए पधार रहे हैं।

जो चीज रुपया-पैसा, राज पाठ, धन-दौलत से मिलने वाली नहीं है, ऐसी अमोलक दौलत आपको बख्शेंगे। अतः आप सभी जात-मजहब के मानने वाले लोगों को बुलावा दिया जा रहा है।

आप परिवार, बच्चों सहित आइए, सतसंग सुनिए, पाँच नाम का दान लीजिए। जब तक इस धरती पर रहिए, सुख-शान्ति महसूस कीजिए, समय पूरा होने पर मुक्ति-मोक्ष प्राप्त कर लीजिए। याद रहे- दुनिया के काम कभी कम नहीं होंगे, पर बंदे एक दिन हम नहीं होंगे। "जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव" नाम की ध्वनि रोज एक घंटा लगातार बोलने से तकलीफों में आराम मिलने लगता है।

बाबा जी के मुख्य आश्रम का पता :- बाबा जयगुरुदेव धर्म विकास संस्था, पिंगलेश्वर रेलवे स्टेशन के सामने, मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.) Jaigurudevukm 9575600700, 9754700200. विश्व बने धर्मात्मा, पापों का हो खात्मा। हाथ जोड़कर विनय हमारी, तजो नशा, बनो शाकाहारी।

सेँजुति के विजयिनी नाटक का रजत जयंती मंचन

सेख ओलि महम्मद

कोलफील्ड मिरर 20 जून (बीरभूम): बीरभूम जिले के दुबराजपुर में पारंपरिक रंगमंच की गरिमा की रक्षा और रंगमंच की हस्तियों को एवं पत्रकारो को सम्मान देने के लिए एक विशेष पहल की गई।
दुबराजपुर की एकमात्र महिला निर्देशक सेँजुति नाट्य संस्था द्वारा विजयिनी नाटक के 25वें मंचन के अवसर पर दुबराजपुर नगरपालिका हॉल में रजत जयंती महोत्सव मनाया गया।

इस दिन इस हॉल में विशेष कार्यक्रम और नाटक किया गया। इस कार्यक्रम में दुबराजपुर नगर पालिका के मेयर पीयूष पांडे, दुबराजपुर श्री श्री सारदा विद्यापीठ के प्राचार्य सुभाशीष चट्टराज, शिक्षा पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ. नील माधव नाग, प्रख्यात वकील स्वरूप आचार्य, थिएटर प्रेमी सुरभि बख्शी, प्रख्यात शिक्षक अरिंदम चटर्जी, सेँजुति नाट्य संस्था की संपादक

सुमना चक्रवर्ती प्रमुख लोग उपस्थित थे। सेँजुति नाट्य संस्था ने समाज के लोगों के साथ खड़े रहने वाले मनुषत्व ग्रुप, प्रवेष्टा वेलफेयर सोसायटी और राहुल नेशा मुक्ति केंद्र के सम्पादक को सम्मानित किया। इसके अलावा नाटक के कलाकारों और स्थानीय पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया।

स्वागत समारोह के बाद बारासात नारकेलडांगा के स्वप्निल द्वारा 'नॉन थिएटरिकल' नाटक का मंचन किया गया। इस थिएटर संस्था के सभी कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। फिर सेँजुति नाट्य संस्था ने 'विजयिनी' नाटक का मंचन किया। सेँजुति नाट्य संस्था की संपादक सुमना चक्रवर्ती ने इस नाटक का निर्देशन और मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि विजयिनी नाटक के 25वें मंचन के अवसर पर आज इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इसके अलावा, इस दिन, दुबराजपुर नगर पालिका के मेयर ने सेँजुति नाट्य संस्था की संपादक सुमना चक्रवर्ती के उत्तरी के साथ सम्मानित किया। साथ ही सेँजुति नाट्य संस्था के सभी सदस्यों ने सुमना चक्रवर्ती को स्मृति स्मारक देकर सम्मानित किया। ऐसा सम्मान पाकर वह अभिभूत हुए।

बीबीएमकेयू के कुलपति से झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने मुलाकात की

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद के कुलपति प्रो० (डॉ) पवन कुमार पोद्दार से सचेतक सह झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने मुलाकात किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेज आरएसपी कॉलेज झरिया में स्नातोकोत्तर स्तर पर नामांकन पर रोक लगाने संबंधी निर्णय पर पुनर्विचार करने के संबंध में माननीय विधायक जी ने कुलपति को कहा। कुलपति ने कहा की माननीय राज्यपाल सचिवालय को बीबीएमकेयू के संपन्न विद्वत पर्षद की 16वीं बैठक में लिए गए निर्णयों की संपुष्टि हेतु पत्राचार किया गया है, अनुमति मिलते ही पीजी की नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। साथ ही विधायक जी ने कुलपति को नुनुडीह (डिनोबली मोड के पास) में आरएसपी कॉलेज झरिया के स्थाई भवन निर्माण के लिए तकनीकी स्वीकृति हेतु अविलंब डीपीआर भेजने पर बात कही।

रणधीर वर्मा चौक पर नीट के विद्यार्थियों के पक्ष में आंदोलन

कोलफील्ड मिरर 20 जून (धनबाद): 19 जून को रणधीर वर्मा चौक पर नीट के विद्यार्थियों के पक्ष में आंदोलन किया गया और विद्यार्थियों को न्याय दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से जांच की मांग किया गया विद्यार्थियों तथा आम जनता को सीबीआई और ईडी पर विश्वास नहीं है अतः इसे लेकर आज पूरे भारत में आम आदमी पार्टी का धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम चल रहा है जिसे लेकर धनबाद जिला से आज मुख्य रूप से उपस्थित रहे जिला संयोजक अशोक महतो जिला महासचिव मदन राम जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार प्रदेश संगठन से दिनेश यादव जितेंद्र कुमार सिंह विनोद कुमार जायसवाल रविंद्र नाथ सिंह सदरे आलम डब्लू अंसारी जावेद अख्तर जावेद खान सरफराज अहमद आलोक खरवार राजू शाह धीरज कुमार दास आदि लोग उपस्थित थे।

खेल के साथ विभिन्न कलाओं में पारंगत हुए बच्चे

कोलफील्ड मिरर 20 जून (बिलासपुर, छत्तीसगढ़): सविता स्मृति स्वरोज फाउंडेशन द्वारा संचालित लेट्ज प्ले स्कूल ऑफ अनस्कूलिंग, निसर्ग नीड़ आर के रेसीडेंसी तिफरा में आयोजित छः दिवसीय समर कैंप में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

समर कैंप में पुष्पा तिवारी द्वारा योग प्रशिक्षण दिया जाता था। विनय गढ़ेवाल जो जाने माने कराटे प्रशिक्षक हैं उन्होंने बच्चों को कराटे मार्शल आर्ट का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया।

अग्रज नाट्य दल के आकाश गुप्ते एवं सुनील चिपड़े द्वारा नाट्य विधा की जानकारी देकर बच्चों द्वारा छोटी छोटी नाटिका तैयार करायी गईं। छोटे बच्चों के शिक्षण प्रशिक्षण की गहन जानकारी रखने वाले रविन पुष्प सर द्वारा बच्चों को खेल खेल में अनेक जानकरियां और प्रशिक्षण दिया गया। दिव्या बाजपेयी द्वारा बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट की कक्षा में व्यर्थ की वस्तुओं से सुंदर सजावटी और उपयोगी सामान बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

छः दिन समर कैंप का सफलतापूर्वक संचालन फाउंडेशन की निदेशक शिवा मिश्रा द्वारा किया गया। समापन कार्यक्रम में पालकों एवं फाउंडेशन के सदस्यों के समक्ष बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक मुद्दों पर नाटक प्रस्तुत किए। सभी बच्चों को समर कैंप में शामिल होने के प्रमाणपत्र भी अतिथियों के द्वारा दिए गए।

समर कैंप में हितिक्षा तिवारी, अग्रिमा तिवारी, हर्ष मिश्रा, शाम्भवी मिश्रा, अनुराग धृतलहरे, निखिल रात्रे, रजनीश सिंग, मनीष सिंग, आद्रिक यादव, शुभी दुबे, आयुषी दुबे, आर्यन दुबे, दिपेश साहू, चंद्रप्रकाश बघेल, आयुषी शाही, भार्गवी कंवर, वेदांत साहू, आयुष साहू, दिव्या खुंटे, मानसी सोनी, श्रेया, आरुषि शर्मा, टी गितांशी, एलिना मिश्रा इत्यादि बच्चों ने भाग लिया।

सफर चिंता से तनाव का

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: मानव जीवन में चिंता और तनाव साथ चलते है। चिंता व तनाव इस कारण होते ही हैं कि वर्तमान को छोड़कर मन अतीत या भविष्य पर भटक जाता है। मन की लोभी तृष्णा का कोई अंत नहीं होता। जैसे-जैसे सोचा हुआ हाशिल होता है वैसे-वैसे और नयी चाहत बढ़ने लगती है। जिसका जीवन में कभी अंत ही नहीं होता। जीवन की इस आपा-धापी में जीवन के स्वर्णिम दिन कब बीत जाते हैं उसका हम्हें भान भी नहीं रहता। आगे जीवन में कभी सपने अधूरे रह गये तो किसी के मुँह से यही निकलता है कि कास अमुक काम मैं अमुक समय कर लेता। उनके लिये बस बचता है तो किसी के कास तो किसी के जीवन में अगर। तृष्णा तो विश्व विजेता सिकंदर की कभी पूरी नहीं हुयी और जब विदा हुआ तो ख़ाली हाथ। इसलिये कर्म ज़रूर करो और जो कुछ प्राप्त हुआ उसमें संतोष करना सीखो। जीवन की इस भागम-भाग में आख़िरी साँस कौन सी होगी वो कोई नहीं जानता।जिसने जीवन में संतोष करना सीख लिया उसका जीवन आनंदमय बन गया। जब हमारा मन पॉज़िटिव होगा, तब हमें दिव्यता का अनुभव होगा क्योंकि सकारात्मकता वह निर्मलता की निशानी है और मन की निर्मलता, वही परम सुख है। भगवान महावीर ने कहा है कि जो पॉज़िटिव रहेगा वही मोक्ष की ओर आगे बढ़ सकता है, इसलिए नेगेटिविटी से बाहर निकलना अत्यंत आवश्यक है। अतः एक निराशावादी को हर अवसर में कठिनाई दिखाई देती है एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता है। अतः हम समझें खतरे ही खतरे घर के बाहर हैं। वर्तमान क्षण ही हमारी चेतना का वास्तविक आधार है अतः रहिए आधिकाधिक इस घर में तो चिंता व तनाव रफू चक्कर हो जाएंगे।

प्रदीप छाजेड़
बोंरावड़

हमारे बिना तुम जी नहीं सकोगे

हमारे बिना तुम, जी नहीं सकोगे।
हमें याद कल को, बहुत करोगे।।
हमारे बिना तुम----------।।

होगी जब भी इच्छा, हंसने की तेरी।
रजा कोई गीत, सुनने की तेरी।।
सुनोगे जुदाई का, जब कोई गीत तुम।
आँखों के आँसू, रोक नहीं सकोगे।।
हमारे बिना तुम----------।।

देखोगे जब तुम, आशिकों को मिलते।
मोहब्बत की उनको, हंसी बातें करते।।
नजर जब आयेंगे, तुम्हें फूल खिलते।
मिलने की इच्छा तुम, रोक नहीं सकोगे।।
हमारे बिना तुम----------।।

कहानी लिखोगे, जब तुम कोई।
लिखोगे वो बातें, जो अब तक हुई।।
चेहरा हमारा ही तब, सामने होगा।
हमको पुकारे बिना, रह नहीं सकोगे।।
हमारे बिना तुम----------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी. आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

हौंसलों का प्रकाश हैं मेरे पापा

मेरा अभिमान भी और,
स्वाभिमान भी हैं मेरे पापा।
मेरे घर की खुशियां हैं,
और बड़ी शान है मेरे पापा।
वो इज्जत हैं वो शोहरत हैं,
और हमारा साहस हैं।
हर वक्त दिल में रहते हैं,
हां मेरी जान है मेरे पापा।
आदर्श संस्कार संस्कृति,
और सभ्यता तो तुम देखो।
हमारे घर की एकता और
अखंडता हैं मेरे पापा।
तुम्हारा ऋण मुझसे तो
चुकाया कभी जाएगा नहीं।
इस ऋण से में ऊऋण,
हो नहीं सकता मेरे पापा।
उपकार माता का पिताजी का,
पुत्र कैसे चुकायेगा।
अगर मां धरती है तो फ़िर
आकाश है मेरे पापा।
जीवन की इस लड़ाई में,
सारथी वो मेरे ही बने रहे।
कितना अमीर हो जाऊं मुझसे,
अमीर है मेरे पापा।
परदेश में हूं मैं लेकिन,
दुआ उनकी साथ रखता हूं,
फ़ासला कितना भी है
पर पास दिल के हैं मेरे पापा।
मेरी हिम्मत मेरा यक़ीन हैं
'मुश्ताक' हां मेरे पापा।
संघर्षों की आंधी में हौंसलों का
प्रकाश हैं मेरे पापा।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
'सहज़'
मगरधा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

नीट मामले पर पक्ष-विपक्ष में धामासान!

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को अपनी योग्यता के साथ पारदर्शिता साबित करनी ही होगी

न्यायपालिकाओं में 41 से अधिक पिटीशनस के साथ छात्र सड़क पर उतरे, आंदोलन की चेतावनी चिंतनीय-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनाना गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 20 जून (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर हर देश के विकास की बुनियाद का एक महत्वपूर्ण पहिया शिक्षा है।यदि शिक्षा ग्रहण, परीक्षा व पुरी प्रणाली अति पारदर्शिता व ईमानदारी से होगी तो टैलेंटेड शिक्षाविद सामने आएंगे, जो उस बुनियादको मजबूत करनेमें बेहद अहमभूमिका अदा करेंगे। हम पिछले कुछ वर्षों से देख रहे हैं कि परीक्षाओं में विवादों का मामला तेजी से बढ़ता जा रहा है। अनेक प्रदेशों में पेपर लीक के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। उपाय व जांच होती है सख़्ती बढ़ती जाती है परंतु फिर पेपर लीक की घटनाएं सामने आ जाती है जो अत्यंत चिंतनीय है, इससे यह आशंका होती है कि ऊपर से बिना गठजोड़ से पेपर लीक मामला मेरा मानना है कि असंभव बात है। यह विषय आज हम इसीलिए उठा रहे हैं क्योंकि पिछले दिनों आए नीट परीक्षा के रिजल्ट में एनटीए जो बड़ी-बड़ी परीक्षाएं करवाती है, उसकी कार्य कार्यप्रणाली पर कहीं ना कहीं शंकाओं में आ गई है। क्योंकि 24 लाख लोगों ने नीट परीक्षा दिए थे परंतु रिजल्ट आने पर यही छात्र सड़कों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे हैं। प्रदर्शन आंदोलन किए, सरकार जागी और ग्रेस मार्ग को रद्द कर दिया गया है। परंतु पूरे देश में प्रदर्शन तेजी से हो रहा है कि काउंसलिंग रोकी जाए, नीट परीक्षा रद्द की जाए जिसपर माननीय सुप्रीम कोर्ट नेपहले ही साफ कर दिया था कीकाउंसलिंग शुरू रहेगी। परंतु 41 से अधिक रिट पिटीशन के साथ छात्र सड़क से सुप्रीम कोर्ट तक की दहलीज़ पर पहुंच गए हैं और अबआंदोलन की राह पर हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को अपनी योग्यता के साथ पारदर्शिता साबित करनी ही होगी।

साथियों बात अगर हम देशभर में छात्रों के आंदोलन की करें तो, सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर नीट-यूजी 2024 परीक्षा रद्द करने और 5 मई को आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं की सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी द्वारा शीर्ष अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 20 छात्रों द्वारा दायर याचिका में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। एनटीए 2024 को लेकर देशभर में स्टूडेंट्स द्वारा प्रोटेस्ट लगातार जारी हैं। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में 1563 स्टूडेंट्स को दिए गए ग्रेस मार्क्स को भी सुनवाई के दौरान रद्द कर दिए हैंऔर इन स्टूडेंट्स के लिए दोबारा एग्जाम आयोजित करने का आदेश दिया गया है। इन स्टूडेंट्स के लिए एग्जाम का आयोजन 23 जून 2024 को निर्धारित परीक्षा केंद्रों किया जाएगा। एग्जाम के लिए एडमिट कार्ड परीक्षा से कुछ दिन पूर्व डाउनलोड के लिए उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। जिन छात्रों के ग्रेस मार्क्स सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किये गए हैं, उनको कॉउंसलिंग में शामिल होने के लिए छूट दी गई है। लेकिन ये स्टूडेंट्स ग्रेस मार्क्स के बिना कॉउंसलिंग में शामिल हो सकेगा।नीट यूजी 2024 एडमिशन के लिए कॉउंसलिंग प्रक्रिया 6 जुलाई से शुरू कर दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कॉउंसलिंग प्रक्रिया पर किसी भी प्रकार की रोक लगाने से मना कर दिया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई के लिए अगली डेट 8 जुलाई 2024 तय की है। जो लोग पुन: परीक्षण में भाग लेते हैं, उनके 5 मई, 2024 की परीक्षाके अंकों को ध्यानमें नहीं रखाजाएगा और उनके पुन:परीक्षण के अंकों पर विचार किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम एनटीए के इसके पूर्व के वर्षों में भी विवादों की करें तो जॉइंट एंट्रेंस एंट्रेंस एग्जाम 2019 परीक्षा के दौरान सर्वर में खराबी के कारण कई छात्रों को परीक्षा देने में परेशानी हुई थी, इसके अलावा कुछ केंद्रों पर प्रश्न पत्र और उत्तरपुस्तिकाओं के वितरण में देरी हुई। 2020 कोविड-19 महामारी के कारण अंडरग्रेजुएट मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट कई बार स्थगित हुआ था। कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाई हुई। इसके अलावा 2020 की एक घटना भी शामिल है, जिसमें असम के एक जेईई अभ्यर्थी ने कथित तौर पर अपनी परीक्षा लिखने के लिए एक अन्य अभ्यर्थी को भेजा था, अगले महीने पुलिस ने उस अभ्यर्थी को गिरफ्तार कर लिया, जिसने राज्य में सबसे अधिकअंक हासिल किए थे, और उसके पिता और टेस्टिंग फेकल्टी के कर्मचारी को भी गिरफ्तार किया था।फिर से जेईई मेन्स एग्जाम में कुछ छात्रों को गलत प्रश्न पत्र दिए गए थे।कई केंद्रों पर परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग की शिकायतें भी मिलीं।इसके साथ ही नीट यूजी 2021 में भी पूछे गए फिजिक्स के एक प्रश्न को लेकर भी विवाद हुआ था। जिसे लेकर छात्रों के प्रतिनिधियों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस प्रश्न में हिंदी और अंग्रेजी अनुवाद में अंतर था। तो नीट 2021 इस साल भी नीट पेपर लीक का मामला सामने आया थाराजस्थान के भांकरोटा के परीक्षा केंद्र से सॉल्वर गैंग ने सेंटर के स्टाफ से सांठगांठ करके परीक्षा के दौरान ही मोबाइल के कैमरे से पेपर का फोटो खींचकर सीकर भेजाथा। फिर सीकर पेपर सॉल्व कराकर आंसर की वापस भेजे और छात्रा को नकल कराने की कोशिश की, तब पुलिस घेराबंदी करके पुलिस की टीनों ने एक साथ 4 जगह छापा मारा और एक छात्रा समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसी तरह अजमेर पुलिस ने भी 6 नीट एस्पिरेंट्स को गिरफ्तार किया था। जहां पेपर सॉल्व कराने के लिए इतने लाख रुपये के लेन-देन की बात सामने आई थी। सीयूटीई 2022 विभिन्न केंद्रीय, राज्य, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट में भी गड़बड़ियां देखने को मिली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि कानपुर के एक केंद्र पर हिंदी माध्यम के छात्रोंको अंग्रेजीके प्रश्नपत्र बांट दिए गए थेराजस्थान के सवाई माधोपुर के एक केंद्र पर भी यही समस्या आई। दोनों ही मामलों में एजेंसी को प्रभावित छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करनी पड़ी। 17 जुलाई 2022 को आयोजित हुई नीट की परीक्षा में भी कई सेंटर पर गड़बड़ी हुई थी। इस दौरान दूसरे माध्यम के प्रश्न पत्र स्टूडेंट्स को दे दिए गए थे। इस गड़बड़ी के चलते स्टूडेंट्स को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अब नीट यूजी 2024 एग्जाम के रिजल्ट में गड़बड़ी का मुद्दा देश भर में छाया हुआ है। अब इस मामले को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की गई है। जबलपुर की छात्रा की ओर से हाई कोर्ट में दायर की गई याचिका में नीट परीक्षा की हाई लेवल इंक्वारी और परीक्षा को रद्द करने की मांग की गई है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता का तर्क सुनने के बाद सुनवाई जुलाई फर्स्ट वीक तक के लिए टाल दी है।एनटीए फिलहाल जेईई, नीट, यूजीसी नेट, सीयूईटी, क्लैट जैसी दर्जनों परीक्षाएं कराता है और इसके जरिए लगभग दो करोड़ बच्चे परीक्षा देते हैं। ऐसी स्थिति में एनटीए को अपनी योग्यता के साथ साथ पारदर्शिता साबित करनी ही होगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नीट मामले पर पक्ष-विपक्ष में धामासान! नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को अपनी योग्यता के साथ पारदर्शिता साबित करनी ही होगी। न्यायपालिकाओं में 41 से अधिक पिटीशनस के साथ छात्र सड़क पर उतरे, आंदोलन की चेतावनी चिंतनीय।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

बधाई हो, बधाई हो, बधाई हो भाई साहब थाली कटोरी और चम्मच के लिए

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: बधाई हो, बधाई हो, बधाई हो भाई साहब, मैंने कहा अरे साहेब बधाई किस बात कि दे रहे हो? ज़रा यह बताएं तों सही? क्या मैं कोई चुनावी जंग जित गया? आप इस तरह से माहौल क्यों बना रहे हो? अरे साहब आपके हाथ में थाली कटोरी और चम्मच को देखकर बधाई देर रहा हूं। शादी के प्रोग्राम में स्वादिष्ट स्वादानुसार भोजन के कार्यक्रम में अत्यधिक "पहलवानों" की माफ करना मेहमानों एवं मिलने जुलने वालों की भिड़ में चकाचौंध करतीं हुई लाइटिंग के बीच आपके हाथ में थाली, कटोरी और चम्मच आना वाकई खुशी की बात है इस अपार सफलता के लिए बधाई तों बनती है ना।

मैं आधे घंटे से लाइन में लगा हूं और अभी भी आपके सामने थाली के लिए खड़ा हूं, आपने आते ही चोंका मार दिया माफ करना हमको चौंका दिया।

हां हां क्यों नहीं तुम मुझे बधाई दोगे ही, तुम्हारे चेहरे पर जो छद्म आवरण ओढ़े मुस्कान दिखाई दे रही है ना, वह बहुत कुछ कह रही है मैं सब कुछ समझ रहा हूं तुम्हारे इस संवाद और अंदाज को, तुम्हें मैं इतनी देर से मतदाता की तरह बड़ी धेर्यता साथ शांतिपूर्वक लाइन में लगा था क्या वह आपको दिखाई नहीं दिया?

अरे दादा, मेरे कहने का आपने गलत अर्थ निकाल लिया। आपके चेहरे पर आई खुशी इस बात को इंगित करती है जैसे कोई उम्मीदवार चुनाव जीत गया हो। जनम, मरण और पारण जैसे कई प्रकार के कार्यक्रमों में मेरा आचार, विचार और व्यवहार को देखते हुए मिलने जुलने वाले मुझे इस स्वादिष्ट खाद्य प्रिया पाक भोजन के लिए लगातार निमंत्रण पत्र मिलते ही रहते है। मुझे इस बात का अच्छा अनुभव है भाई साहब की, थाली कटोरी और चम्मच को किस तरह से हथियाया जाता है जैसे सत्ता को प्राप्त करने के लिए किस तरीके से विजय हुए उम्मीदवारों को हथियाया जाता है।

इस वार्तालाप को बीच मझधार में छोड़ता हुआ जैसे-जैसे थाली को लेकर आगे बढ़ा थाली में सलाद लेकर अनुशासनात्मक रवैया अपनाते हुए धिमी गति से सब्जी के पास पहुंचा तो देखा कि, आलू और भिंडी का मजबूत गठबंधन वाला प्रेम देखकर ऐसा लग रहा है जैसे जनम जनम का साथ एक दूजे के लिए है। ऐसा प्रेम देखकर मेरी थाली में रखें गुलाब जामुन अंदर ही अंदर जल रहा था इसी ज्वलंता के कारण दही की कटोरी में कूद कर आत्महत्या करने की कोशिश बार-बार कर रहा था क्योंकि, उसका साथी रसगुल्ले का खात्मा मेहमानों के हाथों हो गया था। कुछ आगे बढ़ा तो अवरोध के रूप में कई अवरोध मिठाईयां, चाइनीस, गोलगप्पे जैसे ठीयें दिखाई देने लग गए जहां बच्चों, महिलाओं की तादात ज्यादा होने पर भी इन्हें आसानी से प्राप्त किया जा सकता। गरमा गरम कचोरी को मैं सिर्फ चोरी चोरी नजरों से देखता रहा ऐसा लग रहा था कि यहां कई मेहमान खड़े हुए नजर आए ऐसा लग रहा था कि नेताजी को ज्ञापन देने के लिए आंदोलनकारी के रूप में दिखाई दे रहे थे। थोड़ा पलट कर देखा तो बड़े में बड़े आलू बड़े थे जों चटनी के साथ आलिंगन मुद्रा में थे। बड़ी में बड़ी रबड़ी थी जो घेवर के ऊपर महंगाई की तरह पड़ी थी। इस मेहफिल का मामला बिल्कुल रंगीन था। भिन्न तरीके से स्टॉल पर सजे हुए नमकीन थे इनके साथ बे मौसम समय-समय पर हर किसी को लगने वाली मिर्ची भी थी इसका स्वाद चटकारे के साथ कुछ भुले भटकें मेहमानों द्वारा लिया जा रहा था। मिर्ची का स्टॉल मेरे लिए काम का नहीं था इसलिए वहा से नज़र बचा के खिसक लिया। काजू बादाम किशमिश से सजें हुए थाल दिखाई दिए बड़े दुख की बात होगी वहां पर नाममात्र के मेहमान दिखें पता लगाया तो पता चला कि, हर कोई किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित है इसलिए इन्हें देखना तो दूर छूना भी नहीं चाहता है।

मन की बात तो यही थी कि, दाल रोटी खाओ और प्रभु के गुण गाओ गीत गुनगुनाते हुआ चल ही रहा था कि कुछ ही कदमों पर रोटि के स्टॉल पर पहुंचा तो वहां पर भी भीड़ को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे राजनीति के मंच पर मुफ्त की रेवड़ियां बांटी जा रही है वह भी ग्यारंटी के साथ वहां एक नहीं दो दो तीन तीन रोटियां ले लेकर भाग रहे थे की वापसी मिले या ना मिले मैं भी, षड्यंत्रकारी नीति अपना कर कुछ रोटियां खाने के लिए हासिल कर ली। श्रीखंड तो मेरे पास आता आता खंड-खंड हो गया। ऐसे ऐसे विभिन्न प्रकार के नजारे देख कर मैंने भोजन ग्रहण किया और जों मुझे आशीष स्वरूप मुझे बधाई दें रहे थे वह अभी भी इधर उधर थाली कटोरी और चम्मच को लेकर कतार में खड़े दिखाई दिए।

अंततः संतुष्टि जनक पेट पूजा करके शीतल जल और लबों की शान बढ़ाने वाले पान को अपने मुख में दबाते हुए मधुर मुस्कान के साथ पाक आयोजन को करने वाले छबीली दास के साथ गले मिलते हाथ मिलाते हुए एक शानदार जानदार वजनदार फोटोग्राफर ने फोटो कैद कर लिया हमेशा हमेशा के लिया इस पाक कार्यक्रम की ताजा रिपोर्ट छबीली दास ने मांगी तो मैं भी सरकारी कर्मचारी की तरह राजी खुशी ऑडिट रिपोर्ट की तरह रिपोर्ट पेश कर दी कहीं कोई कमी नजर नहीं आई यहां पर सब शांति शांति है।

प्रकाश हेमावत
टाटा नगर रतलाम

सोशल मीडिया

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: आज के समय में जिस हिसाब से सोशल मीडिया का दौर बढ़ते जा रहा है। उस अनुसार शायद ही ऐसा कोई इंसान बचेगा जो सोशल मीडिया इस्तेमाल नहीं करता होगा। सोशल मीडिया ऑक्सीजन की तरह हो गया है, जैसे हमें जीने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है। ठीक उसी तरह इस दुनिया में जीने के लिए हमें सोशल मीडिया पर आना जरूरी हो गया है। बिना फोन बिना सोशल मीडिया के आज के समय में कोई भी काम संभव नहीं लगता है। चलिए इसकी वजह जानते हैं जैसे की आप सभी जानते हैं हर किसी को फोन की जरूरत होती हैं। अब मान लीजिए एक विद्यार्थी जो अपने गांव से शहर गया है पढ़ने के लिए तो क्या उसको फोन की जरूरत होगी या नहीं? लेखिका के अनुसार उस विद्यार्थी को फोन की आवश्यकता होगी। पहली वजह क्योंकि वह अपने गांव से शहर की तरफ आ रहा है तो उसके माता-पिता को काफी चिंता लगी रहेगी कि मेरा बेटा कैसा है? कहां है? इसकी जानकारी देने के लिए विद्यार्थी के पास फोन होना चाहिए। दूसरा वजह वो विद्यार्थी है पढ़ने आया है गांव से अगर उसे कोई प्रश्न नहीं आ रहा है तो वो अकेले कमरे में किससे पूछेगा उस वक्त वो फोन के माध्यम से उस प्रश्न को समझ सकता है तो उसे पढ़ने के लिए फोन की आवश्यकता है। जब विद्यार्थी अकेले रूम में रहता हैं तो कई बार उनका मन नहीं लगता और विद्यार्थी का कमरा है तो वहां पर टीवी या अदर फैसिलिटी आपको कहां से देखने को मिलेगी। इसलिए वो मोबाइल के माध्यम से समय-समय पर सोशल मीडिया की वीडियो देखकर अपना मन लगता है। यह सकारात्मक सोच की बात थी। अब एक नकारात्मक बात जो हमारे समाज को खराब करती जा रही है उसके बारे में जानते हैं। आजकल आप सभी देखते होंगे एक-दो साल के बच्चे जो अभी अभी जन्मे हैं। उन्हें क्या पता कि फोन क्या होता है? सोशल मीडिया क्या होता है? तो वहाँ माँ-बाप खुद बच्चों को फोन और सोशल मीडिया का लत लगाना शुरू करते हैं। मान लिजिए बच्चा बहुत रो रहा है परेशान कर रहा है सिर्फ उसे चुप करवाने के लिए हम लोग फोन दिखाना स्टार्ट कर देते हैं। क्यों करते हैं? सिर्फ इसलिए ना कि हमारा बच्चा जो इतना रो रहा है वो चुप हो जाए और माँ अपना दूसरे काम जल्दी से कर ले लेकिन यह गलत है यही से तो प्रभाव पड़ रहा है बच्चों पर। आपने उसे खाना खिलाने के लिए फोन दिखाना शुरू किया अब बिना फोन के खाना खाते नहीं है बच्चें।अब बच्चे तो इतने स्मार्ट हो गए हैं आज के कि क्या बताया जाए? आप कितना भी फोन का पासवर्ड लगा दो वह जान जाएंगे और वह खुद यूट्यूब पर वीडियो सर्च करके अपनी पसंद की वीडियो देखने लगेंगे। आप फोन छीनोगे तो फिर चिल्लाने लगेंगे क्योंकि वह जानते हैं आपने उसे चुप करने के लिए ही तो फोन दिया था और अब फोन छीनोगे तो वह कैसे बर्दाश्त कर पाएगा। वह तो चिल्लाएगे ही फिर धीरे -धीरे बच्चों को आदत लग जाती है और वो ये भी समझ जाते हैं कि उनके रोने और चिल्लाने पर उनको फोन मिल ही जाएगा। आज के समय में पहले जैसा खेल भी नहीं होता है कि बच्चें मैदान में खेल सकें। वजह? क्योंकि बच्चों को मिट्टी से एलर्जी हो गई है गर्मी में ज्यादा वह लोग बाहर नहीं निकाल पाते ठंड में ठंड लगती है तो बाहर नहीं निकाल पाते तो किसी भी वजह से लोग बाहर तो मैदान में खेलना बहुत ही कम कर चुके हैं। जो है सोशल मीडिया पर ही है तो जब बच्चों को पता चलता है कि अच्छा सोशल मीडिया पर हम खेल भी सकते हैं तो बच्चे लूडो, सांप-सीढ़ी बहुत सारी गेम डाउनलोड कर लेते हैं और इधर से बच्चे को फोन के प्रति प्रेम बढ़ जाती है। फिर वह देखते हैं कि मेरी माँ जो अपनी मां से या अपनी बहन से घंटो घंटो बात कर रही हैं तो बच्चों पर इसका भी प्रभाव पड़ता है। बच्चे जब देखते हैं कि मेरी मां बात कर रही है तो मैं भी बात करूं तो वह पहले अपने रिश्तेदार में बात करना शुरू करते हैं। फिर वह जब थोड़े बड़े हो जाते तो अपने दोस्तों के नंबर पर कॉल करते और घंटों बात चीत करते है। माँ-बाप के बोलने पर बच्चें बोलते हैं मेरी दोस्त है मुझे बात करना फिर वह अपने दोस्तों से बात करना शुरू करते हैं और गलती से अगर उस उम्र में उनकी किसी दोस्त के पास अपना फोन है तब तो उस बच्चें को फोन चाहिए ही चाहिए। फोन के लिए खाना नहीं खाना, खूब चिल्लाना, पढ़ाई नहीं करना और यह सब आदत अपनाकर वह अपना नया फोन ले लेते हैं और जब बच्चे के पास अपना फोन आ जाता है तो वह अपना फोन समझ लेते हैं बिल्कुल अपना यानी उसमें वह किस तरह की वीडियो देख रहे हैं मां-बाप को नहीं पता, वह किस बात कर रहे हैं मां-बाप को नहीं पता, वह रात-रात भर चैट कर रहे हैं किससे बात कर रहे हैं उन्हें नहीं पता। अभी सोशल मीडिया पर बहुत सारे प्लेटफार्म है जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, ट्विटर इन सब पर वह लोग अपनी आईडी बना लेते हैं और फिर कोई अपना डांस स्टार्ट कर देते हैं, तो कुछ राजनीति में आ जाते हैं और कुछ जिंदगी बना लेते हैं और कुछ खराब कर लेते हैं। इसलिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल अपने आवश्यकता अनुसार करें और हमेशा कुछ नया और अच्छा करने का प्रयास करें।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

अग्नि वीरो की भर्ती के मुद्दे ने इस चुनाव में भाजपा को किया था हाल बेहाल, अतः बदलाव के संकेत

कोलफील्ड मिरर 20 जून 2024: वर्तमान लोकसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन ने सेना में भर्ती अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया को जिस तरह से उठाया है उसको सभी स्वीकार करते हैं एवं अगर सरकार जनहित में इस अग्नि वीर योजना में विस्तार करती है एवं इसमें बदलाव करती है तो इसके कारण सभी युवा सैनिकों को काफी लाभ मिलेगा। कहा जा रहा है इसी क्रम में तीनों सेना की ओर से अग्नि वीरों की भर्ती प्रक्रिया के लिए सभी के दिए सुझावों के विकल्पों पर सकारात्मक नजरिये के साथ जरूरी बदलाव किए जाने की तैयारी के संकेत सरकार द्वारा दिए गए हैं। बदलाव के इन प्रस्ताव में अग्नि वीरों की भर्ती की मौजूदा 4 साल की अवधि को लगभग दुगना 8 साल करने, सैन्य जवानों के स्थाई केडेर में अग्नि वीरों को वर्तमान के 25% से बड़ा कर 60 से 70% तक करने का सुझाव पर गौर किया जा रहा है। सुधार के प्रस्तावों के तहत अग्नि वीरों को सैनिकों की तरह दर्जा देने से लेकर सेवानिवृत्ति के समय ग्रेजुएटी जैसे वित्तीय प्रोत्साहन का लाभ दिए जाने पर भी विचार किया जाएगा। सैन्य बलों की ओर से सुधारो को लेकर दिए गए सुझावों पर संकेत साफ है कि अग्निपथ योजना को रद्द करने की कोई योजना नहीं है, परंतु रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर सेना अग्नि वीरों की भर्ती को पहले से ज्यादा आकर्षक और अपेक्षाकृत दीर्घकालिक बनाने को लेकर खुले मन से आवश्यक बदलाव करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। तकनीकी इकाइयों में भर्ती अग्नि वीरों के लिए स्थाई रूप से सेना में रहने का यह चांस 75% तक किया जा सकता है फिर अग्नि वीर के जंग के मोर्चे पर प्राण गंवाने के बाद उसे बलिदानी यानी शहीद का दर्जा देने से लेकर रिटायर होने के बाद पूर्व सैनिक के समान दर्जा दिए जाने की भी सिफारिश सुधार प्रस्ताव में शामिल है। अतः कहा जा सकता है कि भारत सरकार अगर अग्नि वीर योजना में बदलाव कर इसे जन उपयोगी बनाती है तो और भी अधिक युवा इस योजना की ओर आकर्षित होंगे एवं इसकी जो बदनामी हो रही है वह भी बंद हो जाएगी।

मनमोहन राजावतराज
शाजापुर